हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 113 ● भिलाई, शनिवार 21 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कश्मीरी गेट इलाके में फॉर्च्यूनर ने मारी टक्कर,दो लोगों की मौत

नई दिल्ली । उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में रात एक तेज रफ्तार सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी की टक्कर से घायल हुए दो युवकों की मौत हो गई। फिलहाल, दिल्ली पुलिस ने आरोपी फॉर्च्यूनर चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र में युधिष्ठिर सेतु पर 17 और 18 नवंबर की दरमियानी रात एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर और टीएसआर (ऑटो) के बीच जोरदार टक्कर हुई। इस हादसे में कुल 8 लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उनका उपचार शुरू किया गया था। उधर, पुलिस ने मामले में शुरुआत में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 125ए के तहत एफआईआर दर्ज की। हालांकि, हादसे में घायल हुए दो लोगों ने बुधवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बाराबंकी में आधी रात भीषण हादसा, कार आग का गोला बनी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के सफदरगंज थाना क्षेत्र में देर रात करीब एक बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। अयोध्या से लखनऊ की ओर जा रही तेज रफ्तार कार फतेह राइस मिल के सामने आगे चल रही डीसीएम में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ ही देर में कार में आग लग गई। जानकारी के अनुसार देखते ही देखते कार आग के गोले में तब्दील हो गई और सड़क पर धू-धूकर जलने लगी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कार में सवार पांचों लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। कार (यूपी 52 डीयू 2237) अयोध्या से लखनऊ की ओर जा रही थी। बुधवार देर रात करीब एक बजे जब कार सफदरगंज थाना क्षेत्र में फतेह राइस मिल के सामने पहुंची, तभी वह आगे चल रही डीसीएम (यूपी 45 सीपी 0598) से टकरा गई।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान में हरियाणा देश में अव्वल

चंडीगढ़। हरियाणा ने एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2026) की रिपोर्ट में राज्य ने 89.2 का एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) इंडेक्स प्राप्त किया है। यह राष्ट्रीय औसत 66.2 से काफी अधिक है। हरियाणा ने यह स्थान उत्तराखंड के साथ साझा किया है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय तथा निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

एससीओ फोरम में बोले पीएम मोदी-पाकिस्तानी मंत्री भी रहे मौजूद

दुनिया में युद्ध के बीच भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद कर रहा

■ पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक ने भारत-पाकिस्तान संबंधों में सुधार की उम्मीद जताई

नई दिल्ली/ एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम दिल्ली के पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जब दुनिया में युद्ध और अशांति पर चर्चा हो रही है, तब भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक जुड़ाव और आपसी सहयोग से वैश्विक शांति का रास्ता मजबूत हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। ऐसे में सभ्यताओं के बीच संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कार्यक्रम में शामिल पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक ने उम्मीद जताई कि इस फोरम के बाद भारत-पाकिस्तान समेत सभी देशों के रिश्ते बेहतर होंगे। 20 से 22 नवंबर तक चलने वाले इस फोरम में पाकिस्तान समेत कई देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली बार है, जब पाकिस्तान का कोई मंत्री भारत आया है। फोरम के दौरान पुराना किला में भारत की सभ्यतागत विरासत और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनियां भी लगाई गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह पहला एससीओ सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम है और वह इसमें शामिल सभी प्रतिनिधियों का अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा, जब दुनिया में युद्ध और अशांति पर चर्चा हावी है, तब हम भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि वैश्विक शांति के लिए सांस्कृतिक जुड़ाव जरूरी है। अलग-अलग सभ्यताओं के बीच संवाद से एक-दूसरे की परंपराओं और विचारों को समझने का अवसर मिलता है। इससे देशों के बीच सहयोग और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा मिल सकता है। प्रधानमंत्री ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के महान गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त के विचार विदेशों तक पहुंचे। वहीं, सूफी परंपरा ने भारत में कव्वाली को विकसित किया। उन्होंने कहा कि देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की यह प्रक्रिया आज भी जारी रहनी चाहिए। ऐसे में एससीओ जैसे मंचों की भूमिका अहम हो जाती है। मोदी ने कहा कि डिजिटल माध्यमों ने सांस्कृतिक जुड़ाव की नई संभावनाएं पैदा की हैं। अब अलग-अलग देशों के लोग कुछ ही मिनटों में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। स्टेट देशों को इन संभावनाओं का लाभ उठाना चाहिए। फोरम में पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक भी शामिल हुए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आयोजन के बाद भारत-पाकिस्तान समेत सभी देशों के आपसी संबंध बेहतर होंगे। इस कार्यक्रम में कई देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी को क्षेत्रीय और सांस्कृतिक संवाद के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एआई की मदद से प्राचीन ग्रंथों का होगा अनुवाद

पीएम मोदी ने एससीओ देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने के लिए कई सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों के संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अभिलेखागारों में हजारों साल पुरानी पांडुलिपियां, दुर्लभ किताबें, ऐतिहासिक दस्तावेज और कलाकृतियां मौजूद हैं। इनमें साझा इतिहास और आपसी संबंधों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां छिपी हैं। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि तकनीक की मदद से इन ऐतिहासिक दस्तावेजों को डिजिटल रूप में सुरक्षित किया जाए और प्राचीन ग्रंथों के अनुवाद के लिए सभी देश मिलकर काम करें।

'वसुधैव कुटुम्बकं' पूरी दुनिया हमारा परिवार: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने भारतीय संस्कृति के मूल विचार 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान- 'विश्व का कल्याण हो, प्राणियों में सद्भावना हो' की कामना की जाती है। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि पूरी दुनिया एक परिवार है। इसलिए हमारा अपना कल्याण भी दुनिया के कल्याण से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आपसी सद्भावना को वैश्विक कल्याण का आधार मानता है। यही सोच देशों के बीच बेहतर संबंध बनाने और दुनिया में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मासूम काव्या के इलाज के लिए कलेक्टर ने की मदद

कलेक्टर ने रेडक्रॉस सोसायटी से परिवार को दी 1 लाख की सहायता

रायपुर/ संवाददाता



ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही तीन साल नौ महीने की मासूम काव्या पटेल के इलाज को लेकर अब शासन-प्रशासन ने पहल की है। नवभारत लाइव के रिपोर्टर द्वारा बच्ची की पीड़ा और परिवार की आर्थिक स्थिति को सामने लाने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मामले का संज्ञान लिया है। इसके बाद काव्या के बेहतर इलाज और परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। दरअसल, जिस उम्र में बच्चों के हाथों में खिलौने और किताबें होनी चाहिए, उस उम्र में काव्या की जिंदगी अस्पताल और इलाज के बीच सिमटकर रह गई है। ब्लड कैंसर से पीड़ित काव्या का इलाज एम्स रायपुर में चल रहा है। उसके पिता भूमिहीन किसान हैं और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते बेटी के इलाज का खर्च उठाना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया है। काव्या की इस पीड़ा को नवभारत लाइव के रिपोर्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से शासन-प्रशासन तक पहुंचाया। खबर सामने आने के बाद मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और जिला प्रशासन ने बच्ची के इलाज को लेकर सक्रियता दिखाई। इससे पहले पत्रकार जयदास मानिकपुरी ने भी एक्स पर काव्या की मदद के लिए भावुक अपील की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग, छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग और जनप्रतिनिधियों को टैग करते हुए बच्ची के बेहतर इलाज के लिए हरसंभव सहायता मांगी थी।

पड़ोसियों के खिलाफ संघर्ष भड़काना बंद करे पाकिस्तानी सेना

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को अपनी करतूतों से बाज आने की हिदायत दी है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत परवतानेनी हरीश ने सुरक्षा परिषद में इस्लामाबाद को आईना दिखाते हुए माना कि उनकी सेना का हस्तक्षेप देश को बर्बाद कर रहा है। पी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र में आरिया-फॉर्मूला बैठक के दौरान भारत का स्पष्ट मत रखा। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका वीडियो साझा किया। बताया कि लाइबेरिया द्वारा आयोजित प्राकृतिक संसाधन और संघर्ष विषय में भारत ने अपना पक्ष रखा।

बेड़मा के जंगलों में नक्सल डंप बरामद

सुरक्षाबलों की टीम ने 36 किलो विस्फोटक सामग्री की बरामद..

फ रसगांव। कोंडागांव पुलिस को नक्सल उन्मूलन के बाद एक और बड़ी सफलता मिली है। आत्मसमर्पित माओवादियों की निशानदेही पर थाना पुंगारपाल क्षेत्र के ग्राम बेड़मा के जंगल-पहाड़ी इलाके में पुलिस की संयुक्त टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर माओवादियों द्वारा छिपाकर रखी गई विस्फोटक सामग्री और अन्य सामान बरामद किया है। 19 नवंबर को चलाए गए इस अभियान में नक्सल सेल, डीआरजी/बस्तर फाइटर्स और बीडीएस की संयुक्त टीम शामिल रही। कार्रवाई के दौरान 1 हैंड ग्रेनेड, 2 जिलेटिन रॉड, करीब 25 मीटर कॉर्डेक्स वायर, 200 मीटर इलेक्ट्रिक वायर, 11 बैटरी सेट, 14 छोटे-बड़े टिफिन तथा सल्फर, सोडियम नाइट्रेट सहित अन्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, तीन अलग-अलग टिफिन में रखे विस्फोटक मिश्रण सहित कुल 29.65 किलोग्राम सामग्री मिली है। इसके अलावा अन्य विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। बरामद सामान में वॉकी-टॉकी चार्जर, मल्टीमीटर, सिरिंज, रस्सी, औजार, जूते-चप्पल और अन्य उपयोगी वस्तुएं शामिल हैं।

आज हरिद्वार में होगा अंतिम संस्कार

सीएम योगी की मां सावित्री देवी का निधन पंचूर गांव में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली/ एजेंसी



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में शोक की लहर है। शनिवार को ऋषिकेश के संपूर्णानंद घाट पर उनका अंतिम संस्कार किए जाने की संभावना है। जिस समय मां के निधन की खबर आई, उस वक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में 'सशक्त युवा, समृद्ध उत्तर प्रदेश' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। सावित्री देवी लंबे समय से पौड़ी गढ़वाल जिले के पंचूर गांव में अपने परिवार के साथ रह रही थीं। उनके पति आनंद सिंह बिष्ट वन विभाग में फॉरेस्ट रेंजर थे। उनका निधन 20 अप्रैल 2020 को कोरोना महामारी के दौरान हुआ था। योगी आदित्यनाथ सात भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर हैं। उनके चार भाई और तीन बहनें हैं। योगी के संन्यास लेकर गोरक्षपीठ से जुड़ने के बाद सावित्री देवी ने गांव में रहकर ही परिवार की जिम्मेदारी संभाली। वह अपने पैतृक गांव में ही रहकर बच्चों और परिवार से जुड़ी रहीं। सावित्री देवी के निधन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि मां का स्नेह, आशीर्वाद और ममता जीवन की सबसे अनमोल पूंजी होती है।

पुल से नदी में गिरी स्कॉर्पियो, छह लोगों की मौत, एक युवक को ग्रामीणों ने बचाया

अररिया। बिहार के अररिया जिले में एक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। तिलक समारोह से लौट रहे लड़की पक्ष के लोगों से भरी एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पुल से नीचे मरिया नदी में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, हादसा ताराबाड़ी थाना क्षेत्र के बीड़ी पुल पर हुआ। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो में सवार सभी लोग सुपौल जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के थुमहा गांव के निवासी थे। वे अररिया जिले के सिकटी प्रखंड स्थित भपटिया गांव में आयोजित तिलक समारोह में शामिल होने के बाद वापस अपने घर लौट रहे थे।

आतंकवाद पर शिकागो में दिया बड़ा बयान

आतंकवाद बंद होने पर ही पाकिस्तान से बातचीत संभव होगा: राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी



कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पाकिस्तान के साथ बातचीत को लेकर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए बड़ा बयान दिया है। अमेरिका के इलिनोइस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि जब तक पाकिस्तान भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देना और सीमा पार से आतंकी गतिविधियों का समर्थन करना बंद नहीं करता, तब तक दोनों देशों के बीच बातचीत संभव नहीं है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि खून और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों और बातचीत की संभावनाओं पर सवाल पूछा गया। इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत की गुंजाइश जरूर है, लेकिन इसके रास्ते में सबसे बड़ी बाधा पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद को समर्थन देना है। राहुल गांधी के मुताबिक, यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि एक तरफ भारत के निर्दोष नागरिक आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवाएं और दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ बातचीत जारी रहे। उन्होंने कहा कि जिस दिन पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद को समर्थन देना बंद हो जाएगा, उसी दिन बातचीत की संभावनाएं फिर से बन सकती हैं। इस कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने भारत और इजरायल के संबंधों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों का समर्थन किया।

फास्टेस्ट मूवर्स श्रेणी में देश में पहला स्थान

पीएम स्वनिधि योजना में छत्तीसगढ़ राज्य को मिले पांच राष्ट्रीय पुरस्कार

■ राज्य स्तरीय इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज श्रेणी में छत्तीसगढ़ को दूसरा स्थान, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने ग्रहण किए राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स-2026 में छत्तीसगढ़ को पांच राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राज्य ने फास्टेस्ट मूवर्स श्रेणी में देश में प्रथम और इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री श्री अरुण साव ने राज्य स्तरीय दोनों राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किए। समारोह में प्रदेश के तीन नगरीय निकायों बिलासपुर, बड़े बचेली और दंतेवाड़ा को भी राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया स समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे। पुरस्कार ग्रहण करने के दौरान नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री निलेश महादेव क्षीरसागर तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी (मिशन) श्री सुनील अग्रहरी भी उपस्थित रहे। स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स - 2026 के अंतर्गत डिजिटल अडॉप्शन श्रेणी में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एक



लाख से कम जनसंख्या वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में नगर पालिका परिषद बड़े बचेली ने देश में प्रथम और नगर पालिका परिषद दंतेवाड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, एक लाख से 10 लाख जनसंख्या वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में नगर पालिक निगम बिलासपुर को राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि पथ विक्रेताओं को डिजिटल लेनदेन से जोड़ने, संस्थागत ऋण सुविधा उपलब्ध कराने और उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छत्तीसगढ़ को पांच राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। विशेष रूप से फास्टेस्ट मूवर्स श्रेणी में देश में प्रथम स्थान और इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त करना राज्य में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और नवाचारों का परिणाम है।

पटवारियों की हड़ताल पर सीएम साय की दो टूक : पहले काम पर लौटें, फिर सरकार करेगी संवाद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पटवारियों की हड़ताल को लेकर बड़ा बयान देते हुए उन्हें काम पर वापस लौटने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि, सरकार पटवारियों से संवाद करने के लिए पूरी तरह तैयार है और उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार भी किया जाएगा, लेकिन इसके लिए पटवारियों को पहले काम पर लौटना होगा। 19 नवंबर को बलौदाबाजार जिले के सुहेला प्रवास के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, सभी को अपने काम पर आना चाहिए और जनता की सेवा करनी चाहिए। सरकार बातचीत के लिए बिल्कुल तैयार है। पटवारियों की जो भी वाजिब मांगें होंगी, उन्हें सरकार पूरा करने का प्रयास करेगी।

संक्षिप्त समाचार



रंगोली प्रतियोगिता में बालिकाओं ने बिखेरे हुनर के रंग, चार प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

बिलासपुर। ग्राम चोरभट्टी कला, पोस्ट गनियारी में दीपावली के शुभ अवसर पर समाजसेवी संस्था 'साथी हाथ बढ़ाना' के तत्वावधान में 'अपन घर अपन द्वार' अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली चार प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो एवं सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। इसमें प्रथम स्थान आराधना साहू, द्वितीय स्थान हेमलता यादव, तृतीय स्थान जयंती यादव एवं चतुर्थ स्थान विभा कौशिक ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं में छिपी प्रतिभाओं को निखारना, उन्हें प्रोत्साहित करना और अपनी कला प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर गांव के वरिष्ठ नागरिक डॉ. जगदीश प्रसाद साहू, प्रहलाद यादव, पूर्व सरपंच प्रमोद सूर्यवंशी, राधे सूर्यवंशी, सोनू यादव, नरेंद्र यादव, लक्ष्मीनारायण यादव, संजय कौशिक, संतोष साहू एवं नारायण साहू उपस्थित रहे। संस्था द्वारा गौ सेवा, शिक्षा प्रोत्साहन, प्याऊ घर, दिव्यांग सेवा, स्वच्छता अभियान, हरित ग्राम एवं रविवार श्रमदान जैसे विभिन्न सामाजिक एवं जनहितकारी कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। कार्यक्रम की व्यवस्था संस्था प्रमुख श्याम प्रकाश साहू, अशोक यादव एवं रामदयाल यादव द्वारा की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन चंद्र प्रकाश साहू ने किया।



मुआवजे की मांग लेकर एसईसीएल कार्यालय पहुंची महिलाओं से बदसलूकी का आरोप

कोरबा। जिले के एसईसीएल दीपका कार्यालय में मुआवजे की मांग लेकर पहुंचीं महिलाओं ने एक अधिकारी पर अभद्रता, गाली-गलौज और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, वीडियो बना रही एक महिला का मोबाइल भी छीनने का आरोप है। मामले को लेकर महिलाओं ने दीपका थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मामला 17 सितंबर का है, जब सुहागपुर और सुवाभोंडी गांव की आठ महिलाएं मकान और बसाहट के मुआवजे की मांग लेकर एसईसीएल के दीपका कार्यालय पहुंची थीं। पीड़ित महिलाओं चंद्रकली पटेल, ललिता जगत और दिव्या जगत सहित अन्य का आरोप है कि अधिकारी सुशील कुमार साहू ने उनके साथ गाली-गलौज की और गांव छोड़कर चले जाने की बात कही। महिलाओं का यह भी आरोप है कि वीडियो बना रही दिव्या जगत का मोबाइल एक महिला कर्मचारी के जरिए छीनकर केबिन में रखवा दिया गया. अब महिलाओं ने कलेक्टर और एसपी से शिकायत कर सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफएफआईआर दर्ज करने की मांग की है।



15 सरकारी स्कूलों को अदाणी फाउंडेशन की सौगात 172 को मिली स्कूल किट, खेल सामग्री भी वितरित

कोरबा। कोरबा पॉवर लिमिटेड ने अपनी सीएसआर पहल अदाणी फाउंडेशन के तहत आसपास के 15 शासकीय विद्यालयों में बेहतर शिक्षण व्यवस्था और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूल सहायता सामग्री वितरित की। इनमें 9 प्राथमिक, 4 माध्यमिक और 2 हाई/हायर सेकेंडरी विद्यालय शामिल हैं।

इस पहल का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने के साथ उनके शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक विकास के लिए बेहतर माहौल तैयार करना है। यह सामग्री बेंगचुल, दर्रानहठा, पथाडी, खोदडेल, न्यू पहंदा, ओल्ड पहंदा, रिसदिहापारा, सरगबुंदिया और धंधानी गाँवों के विद्यालयों को दी गई। इसमें व्हाइट और ग्रीन ड्यूल बोर्ड, बोर्ड मार्कर, पैकेट चॉक, कक्षा घड़ियाँ और प्रार्थना व विद्यालयी आयोजनों के लिए ब्लूटूथ स्पीकर शामिल हैं। विद्यालयों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए डस्टबिन भी दिए गए। इसके साथ ही प्राथमिक विद्यालयों में नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को स्कूल किट के रूप में बैग, कम्पास और कॉपी का एक-एक सेट दिया गया। इस तरह कुल 172 स्कूल किट वितरित की गईं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए सभी 15 विद्यालयों को उनकी जरूरत के अनुसार खेल सामग्री भी दी गई।



सांसद विजय बघेल ने फीता काटकर किया 'हमर छत्तीसगढ़-हमर धरोहर' प्रदर्शनी का शुभारंभ

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी 'हमर छत्तीसगढ़-हमर धरोहर' का शुभारंभ दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, लोककला, जनजातीय विरासत, खान-पान एवं ऐतिहासिक धरोहरों को प्रदर्शित करने के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और विशिष्ट जीवनशैली में समाहित है। हमारी युवा पीढ़ी को अपनी माटी, संस्कृति और विरासत से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला, लोकजीवन, खान-पान, वेशभूषा, हस्तशिल्प एवं विभिन्न सांस्कृतिक विशेषताओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉल लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से प्रदेश की विविध सांस्कृतिक विरासत को जानने और समझने का अवसर मिल रहा है।

साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप पर आईजी रामगोपाल गर्ग का महत्वपूर्ण उद्बोधन

डिजिटल सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

- **एनटीपीसी सीपत के 'कला निकेतन' में आयोजित हुआ भव्य साइबर जागरूकता कार्यक्रम**



बिलासपुर। तेजी से बदलते डिजिटल परिवेश में साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों और आम नागरिकों को इनसे सुरक्षित रखने के उद्देश्य से बिलासपुर पुलिस द्वारा पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज श्री रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के नेतृत्व में साइबर जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 18 नवंबर 2026 को एनटीपीसी सीपत स्थित 'कला निकेतन' सभागार में एक विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज रामगोपाल गर्ग मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने सारगर्भित एवं प्रभावशाली उद्बोधन के माध्यम से उपस्थित जनसमुदाय को साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप, अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए तरीकों तथा उनसे बचाव के प्रभावी उपायों के संबंध में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। आईजी गर्ग ने कहा कि डिजिटल तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया एवं डिजिटल लेन-देन ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधों की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। साइबर अपराधी लोगों के भय, लालच और विश्वास का फायदा उठाकर उन्हें ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का जागरूक एवं सतर्क होना आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी के संबंध में बताया कि पुलिस अथवा किसी जांच एजेंसी द्वारा वीडियो कॉल पर किसी व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। उन्होंने नागरिकों से किसी भी अनजान कॉल पर भयभीत होकर पैसे ट्रांसफर नहीं करने की अपील की। इसके साथ ही साइबर अपराधों की निगरानी, शिकायतों के निराकरण एवं त्वरित कार्रवाई से संबंधित स्वरूएवं तत्रूमॉड्यूल की कार्यप्रणाली के बारे में भी जानकारी दी गई।

साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर करें संपर्क

बिलासपुर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर घबराएं नहीं, बल्कि तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। समय पर शिकायत करने से ठगी की रकम को संबंधित बैंक खातों में होल्ड कराने की संभावना बढ़ जाती है।भारतीय स्टेट बैंक सीपत शाखा की शाखा प्रबंधक के द्वारा भी बैंक से संबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध कराई जिसे साइबर से संबंधित होने वाले फ्रॉड से सतर्क और सुरक्षित रहनेके बारे में विस्तार से बताया गयाकार्यस्र5म के अंत में एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा बिलासपुर पुलिस की इस जन-जागरूकता पहल की सराहना करते हुए उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं साइबर सेल की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बिलासपुर पुलिस द्वारा पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज रामगोपाल गर्ग के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में साइबर अपराधों की रोकथाम, तकनीकी जागरूकता के विस्तार तथा सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण के लिए निरंतर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

साइबर ठगी के नए तरीकों से किया आगाह

अपने उद्बोधन में आईजी गर्ग ने प्रमुख साइबर अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए निम्नलिखित विषयों पर विशेष रूप से जागरूक किया—

- **डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड:** पुलिस, सीबीआई एवं अन्य जांच एजेंसियों के नाम पर वीडियो कॉल के माध्यम से डराकर की जाने वाली ठगी।
- **म्यूल अकाउंट:** बैंक खातों का लालच देकर साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में उपयोग करना तथा इसके कानूनी दुष्परिणाम।
- **इम्पर्सोनेशन फ्रॉड:** परिचितों, अधिकारियों एवं प्रतिष्ठित संस्थानों के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे मांगना।
- **APK फ्रॉड:** अनजान लिंक एवं सॉफ्टवेयर APK फाइल के माध्यम से मोबाइल और निजी जानकारी तक पहुंच बनाने वाले साइबर अपराध।
- **ट्रेडिंग एवं इन्वेस्टमेंट फ्रॉड:** कम समय में अधिक मुनाफे का लालच देकर की जाने वाली ऑनलाइन ठगी।
- **सेक्सटॉर्शन:** फर्जी वीडियो कॉल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को ब्लैकमेल करने के तरीके।

कथा के 5 वें दिन पार्वती जन्म के साथ शिव-पार्वती विवाह की कथा के साथ भव्य बारात व झांकी का आयोजन

प्रतिदिन सैकड़ो हजारों श्रद्धालु शिव भक्ति में डूबे



भटगांव। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत भटगांव में इन दिनों भक्ति का महासागर उमड़ा हुआ है। जहां 14 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रतिदिन सैकड़ो हजारों श्रद्धालु शिव भक्ति में डूबे नजर आ रहे हैं। प्रसिद्ध कथावाचक पं.देवी दयाल चतुर्वेदी उनके मुख से शिव महापुराण की कथा सुनने के लिए रोज सैकड़ो हजारों की संख्या में श्रद्धालु पंडाल में पहुंच रहे हैं। वहीं कथा सुनने पंडाल खचाखच भारी भीड़ देखने को मिल रहा है. महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सभी कथा में तल्लीन दिखे। कथा मे जन्म के साथ शिव-पार्वती विवाह का भव्य झांकी के साथ कथा का सबसे आकर्षक प्रसंग शिव-पार्वती विवाह रहा. जहाँ घर परिवार के सदस्यों ने भगवान शिव और माता पार्वती के जीवंत स्वरूप में मंच पर दर्शन दिए। साथ ही बारात मे शंकर भगवान के साथ भुत प्रेत, दैत्य, भालू, नंदी इत्यादि का भव्य झांकी के साथ नृत्य करते नजर आये. शिव-पार्वती के विवाह प्रसंग ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरा पंडाल हर-हर महादेव और जय शिव-पार्वती के जयकारों से गूंज उठा।वहीं आज के कार्यक्रम मे पधारे सभी श्रद्धांलुओं के लिए भोजन प्रसाद भंडारे की व्यवस्था विजय साहू मन्नू साहू के सौजन्य से किया गया था. कथा के दौरान भटगांव एवं आसपास के भाजपा प्रतिनिधि, एल्डरमेन एवं पत्रकार साथी शामिल हुए जहाँ भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज सिँह दीक्षित, फूलचंद जायसवाल, श्यामा प्रसाद साहू, मोहन साहू, एल्डर मेन तुलसी आदित्य सहित पत्रकार के. पी. पटेल परिवार के साथ उपस्थित रहे.वहीं शिव भोलेनाथ जी अपने बारात व टीम के साथ भव्य झांकी व डी जे बाजे के साथ नगर का भ्रमण करते हुए बारात कार्यक्रम स्थल पहुंची जहाँ माता पार्वती के साथ परिवार के पूरा सदस्य पुष्प वर्षा करते हुए पूजा आरती के साथ भव्य स्वागत किये. तत्पश्चात विधिवत माता पार्वती एवं भोलेनाथ का विवाह संस्कार कराते हुए पूजा आरती के साथ कार्यक्रम को सम्पन्न कराया गया. इस भव्य आयोजन शोभित नामदेव - संतोषी नामदेव एवं परिवार द्वारा स्व. श्री चिरंजीव लाल नामदेव और स्व. श्रीमती चारो बाई नामदेव की स्मृति में यह कथा आयोजित की जा रही है।

रजक समाज को अनुसूचित जाति वर्ग में शामिल करने की मांग तेज

राजनांदगांव। राष्ट्रीय रजक महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष विश्राम निर्मलकर के राजनांदगांव प्रवास के दौरान जिला रजक समाज की सामाजिक बैठक चिखली स्थित दीनदयाल नगर के जिला भवन में आयोजित की गई। बैठक में सामाजिक एकजुटता, उच्च शिक्षा, संगठन की मजबूती और रजक समाज को अनुसूचित जाति वर्ग में शामिल करने की मांग को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय रजक महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष विश्राम निर्मलकर एवं गौ सेवा गतिविधि प्रांत टोली के विभाग संयोजक बिलासपुर परसराम निर्णेजक की उपस्थिति में इष्ट देव भगवान शंकर एवं संत शिरोमणि गाडगे महाराज के तैलचित्र पर तिलक लगाकर पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित सामाजिक बंधुओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. लेखराम निर्मलकर ने किया। उन्होंने स्वागत उद्बोधन में जिला रजक समाज की गतिविधियों, सामाजिक एकजुटता और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष विश्राम निर्मलकर ने कहा कि समाज की उन्नति के लिए एकजुटता, शिक्षा और बेहतर सामाजिक व्यवहार बेहद जरूरी हैं। उन्होंने युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने तथा समाज में आपसी समन्वय और भाईचारा मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक अधिकारों की प्राप्ति के लिए संगठित प्रयास आवश्यक हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को संगठन के साथ जुड़कर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

मिशन न्यू इंडिया की प्रदेश कार्यकारिणी की परिचयात्मक बैठक एवं दीपावली मिलन समारोह 22 नवंबर को रायपुर में

रायपुर। मिशन न्यू इंडिया मुख्य शाखा एवं युवा मोर्चा, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा के पश्चात एक महत्वपूर्ण परिचयात्मक बैठक एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन आगामी रविवार, 22 नवंबर 2026 को किया जा रहा है। यह आयोजन संगठन के छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. डोमार सिंह साहू जी के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री नरसिंह साहू जी के नेतृत्व में संपन्न होगा। कार्यक्रम प्रातः 11:30 बजे से कार्तिक पैलेस (कान्दुल कमल होटल के पास), संतोषी नगर, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। संगठन की ओर से जारी सूचना के अनुसार, इस बैठक में सभी मोर्चा के समस्त प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों एवं सम्माननीय कार्यकर्ताओं की उपस्थिति अनिवार्य रखी गई है। पदाधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय एवं स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर संगठन की एकता, मजबूती एवं विस्तार में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। आवश्यक सूचना एवं सादर आमंत्रण-मिशन न्यू इंडिया मुख्य शाखा एवं युवा मोर्चा, छत्तीसगढ़ समस्त प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों एवं सभी मोर्चा के सम्माननीय कार्यकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि मिशन न्यू इंडिया छत्तीसगढ़ के प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री आदरणीय डॉ. डोमार सिंह साहू जी के मार्गदर्शन तथा माननीय प्रदेश अध्यक्ष नरसिंह साहू जी के नेतृत्व में प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा के पश्चात परिचयात्मक बैठक एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है।



नवागढ़ के बदमाश के खिलाफ जिला बदर की अनुशंसा, कलेक्टर को सौंपा गया विस्तृत प्रतिवेदन

जांजगीर-चांपा। जिले में कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने थाना नवागढ़ क्षेत्र के आदतन बदमाश भुनेश्वर केशरवानी के खिलाफकड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में आरोपी को जिला बदर करने की अनुशंसा करते हुए विस्तृत प्रतिवेदन जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर को भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार, भुनेश्वर केशरवानी के विरुद्ध क्षेत्र में लोगों को डराने-धमकाने, गुंडागर्दी, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने, बलवा करने और बार-बार शांति भंग करने जैसे कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों के कारण आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ था। पुलिस ने आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव का गहन परीक्षण किया।

पिकनिक की आड़ में सजाया था जुआ का फड़, एल्डरमैन प्रिंसिपल समेत 6



कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जुआ खेलने के मामले में पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पहाड़गांव में की गई, जहां आरोपी पिकनिक मनाने की आड़ में जुआ खेल रहे थे। गिरफ्तार सभी आरोपी जांजगीर-चांपा जिले के बाराद्वार क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मौके से करीब 11 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और ताश के पत्ते जब्त किए हैं। उरगा थाने में दर्ज मामले के अनुसार, पुलिस ने ग्राम पहाड़गांव में दोपहर करीब 2:20 बजे कार्रवाई की। उप निरीक्षक नवीन पटेल की रिपोर्ट पर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के तहत अपराध क्रमांक 641/2026 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिषेक उर्फ गज्जू ठाकुर (46), शशिकांत दुबे (56), ज्योतिष वैष्णव (51), रविंद्र खाण्डे (26), दीपक कुमार बंसल (26) और आशुतोष राय (33) के रूप में हुई है। इस मामले में गिरफ्तार रविंद्र खाण्डे के बाराद्वार नगर पालिका में एल्डरमैन और जिला युवा मोर्चा में पदाधिकारी होने की जानकारी सामने आई है। वहीं, शशिकांत दुबे पेशे से शिक्षक और प्रिंसिपल बताए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधि और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति का नाम सामने आने के बाद इलाके में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

पसान में भी सामने आया था ऐसा मामला

इससे पहले पसान थाना पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में एक सरपंच और शिक्षक को गिरफ्तार किया था। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों के बाद जिले में जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों की संलिप्तता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल उरगा पुलिस ने सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

कथा वाचक श्री श्री 1008 पवन त्रिपाठी महाराज ने सुनाई कथा

तीसरे दिन अजामिल उपाख्यान और प्रह्लाद चरित्र सुनकर भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

- **नगर भटगांव के दुबे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन राजा भरत और ध्रुव चरित्र का हुआ वर्णन**



भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के एडी वैष्णव क्लिनिक के सामने दुबे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन राजा भरत का चरित्र एवं ध्रुव का चरित्र चित्रण का वर्णन किया गया और तीसरे दिन अजामिल उपाख्यान और प्रह्लाद चरित्र का वर्णन कथा वाचक श्री श्री 1008 पवन त्रिपाठी महाराज द्वारा सुनाया गया। कथा के दूसरे दिन कसडोल विधानसभा के विधायक संदीप साहू व पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष विद्याभूषण शुक्ल कथा का रसपान करने नगर भटगांव पहुंचे। वहीं कथा के तीसरे दिन राजेश्री रामसुंदर दास महंत कथा का श्रवण करने पहुंचे। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और पूरा नगर भक्तिमय हो गया है। कथा के दूसरे दिन कसडोल विधानसभा के विधायक संदीप साहू व पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष विद्याभूषण शुक्ल कथा का रसपान करने नगर भटगांव पहुंचे। कथा स्थल पर पहुंचते ही दुबे परिवार और आयोजकों ने उनका फूल-माला और शाल श्रीफल से स्वागत किया। विधायक संदीप साहू ने कथा वाचक पवन त्रिपाठी महाराज का आशीर्वाद लिया और व्यास पीठ की पूजा की।

उन्होंने कहा कि भटगांव में इस तरह का धार्मिक आयोजन होना गर्व की बात है। भागवत कथा सुनने से मन को शांति मिलती है और समाज में सकारात्मकता आती है। उन्होंने दुबे परिवार को इस आयोजन के लिए बधाई दी. तीसरे दिन - अजामिल उपाख्यान और प्रह्लाद चरित्र - कथा के तीसरे दिन कथा वाचक पवन त्रिपाठी महाराज ने अजामिल उपाख्यान का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि अजामिल एक ब्राह्मण था, जो बुरी संगत में पड़कर पापी हो गया था। उसने अपने पुत्र का नाम नारायण रखा था। मृत्यु के समय उसने अपने पुत्र नारायण को पुकारा, लेकिन भगवान नारायण ने समझा कि अजामिल उन्हें पुकार रहा है और वे उसके सामने प्रकट हो गए। महाराज ने कहा कि अजामिल के इस प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि भगवान का नाम चाहे किसी भी भाव से लिया जाए, वह कल्याणकारी होता है।

राजेश्री रामसुंदर दास महंत पहुंचे कथा श्रवण करने

कथा के तीसरे दिन राजेश्री रामसुंदर दास महंत कथा का श्रवण करने पहुंचे। कथा स्थल पर पहुंचते ही दुबे परिवार और आयोजकों ने उनका भव्य स्वागत किया। उन्हें फूल-माला पहनाकर और शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। राजेश्री रामसुंदर दास महंत ने व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक श्री श्री 1008 पवन त्रिपाठी महाराज का आशीर्वाद लिया और कथा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दुबे परिवार द्वारा आयोजित यह भागवत कथा ज्ञान यज्ञ नगर के लिए बड़े सौभाग्य की बात है। इस कथा से नगर में धर्म, भक्ति और संस्कार का वातावरण बना है।

संक्षिप्त समाचार

आपत्तिजनक वीडियो विवाद में अमित जोगी पहुंचे सिविल लाइन थाना, पुलिस कर रही पूछताछ

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी एक आपत्तिजनक वीडियो को लेकर विवादों में घिर गए हैं। इस मामले में अपनी गिरफ्तारी देने के लिए अमित जोगी आज रायपुर के सिविल लाइन थाने पहुंचे, जहां पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। दरअसल, हाल ही में अमित जोगी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के किरदारों को लेकर प्रस्तुति दी गई थी। वीडियो को लेकर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई थी। भाजपा नेता राजेश मूणत ने इस मामले में सिविल लाइन थाने पहुंचकर अमित जोगी के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई थी। मूणत ने वीडियो को आपत्तिजनक बताते हुए कहा था कि देश के प्रधानमंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर इस तरह की प्रस्तुति करना बेहद निंदनीय है। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा था कि राजनीति में सिद्धांतों और विचारों की लड़ाई होनी चाहिए। अपनी बात रखने का एक तरीका और मर्यादा होती है, लेकिन इस तरह के वीडियो के जरिए राजनीतिक विरोध जताना उचित नहीं है। फ्लिहाल सिविल लाइन थाना पुलिस अमित जोगी से पूछताछ कर रही है। मामले में पुलिस की आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

रायपुर में बिना वैध लाइसेंस चल रही थी क्रीम फैक्ट्री, ड्रग विभाग की छापेमारी में बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त

रायपुर। पाकिस्तान में बनी प्रतिबंधित गोरी क्रीम की बिक्री का मामला सामने आने के बाद अब राजधानी रायपुर में बिना वैध लाइसेंस कॉस्मेटिक क्रीम बनाने का मामला उजागर हुआ है। फूड एंड ड्रग विभाग की टीम ने महावीर नगर स्थित महेंद्र सचदेवा के क्रीम निर्माण ठिकाने पर छापेमार कार्रवाई की। जांच में खुलासा हुआ कि यहां पिछले करीब एक साल से क्रीम बनाने का काम किया जा रहा था, जबकि निर्माण के लिए जरूरी लाइसेंस की वैधता समाप्त हो चुकी थी। कार्रवाई के दौरान विभागीय टीम ने मौके से मॉम व्हाइटनिंग क्रीम, ग्लैमरिक्स और क्विंज पर्ल फेस सीरम सहित कई उत्पाद जब्त किए। इसके साथ ही क्रीम बनाने और उनकी पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी कब्जे में ली गई है। इस मामले में महेंद्र सचदेवा ने विभागीय टीम को बताया कि उन्हें लाइसेंस की अवधि समाप्त होने की जानकारी नहीं थी। हालांकि, विभाग ने सामग्री जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इससे पहले रायपुर के गोल बाजार में पाकिस्तान में निर्मित प्रतिबंधित गोरी क्रीम की बिक्री का मामला सामने आया था। सूचना मिलने पर ड्रग विभाग की टीम ने दुकानों में छापेमारी की थी। इस दौरान ओम ब्यूटी सेंटर से कुल 236 क्रीम जब्त की गई थीं। इनमें 218 गोरी क्रीम और 18 चांदनी क्रीम शामिल थीं। जब्त उत्पादों की कुल कीमत करीब 1.25 लाख रुपये बताई गई थी।

मानदेय बढ़ाने और नियमिती करण की मांग पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आंदोलन, 29 नवंबर को मनाएंगी काला दिवस

रायपुर। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं अपनी लंबित मांगों को लेकर अब आंदोलन के रास्ते पर उतरने जा रही हैं। मानदेय में बढ़ोतरी और नियमितीकरण सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर जिला स्तर पर तीन दिवसीय चरणबद्ध विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान अलग-अलग तरीकों से सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने की तैयारी है। आंदोलन के पहले दिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नुक्कड़ नाटक के जरिए अपनी समस्याओं और मांगों को सार्वजनिक रूप से उठाएंगी। इसके माध्यम से वे अपनी जिम्मेदारियों, कार्य परिस्थितियों और लंबे समय से लंबित मांगों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करेंगी। आंदोलन के दूसरे चरण में 18 नवंबर को कार्यकर्ता और सहायिकाएं थाली-चम्मच बजाकर विरोध दर्ज कराएंगी। इस अनोखे प्रदर्शन के जरिए अपनी मांगों को लेकर सरकार तक संदेश पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। विरोध प्रदर्शन के तीसरे चरण में 29 नवंबर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं काली साड़ी और काला चश्मा पहनकर काला दिवस मनाएंगी। उनका कहना है कि लंबे समय से मांगें उठाने के बावजूद समाधान नहीं निकलने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है।

दीपक टंडन को कोर्ट से झटका, जमानत याचिका खारिज; एआई तस्वीरों से ब्लैकमेलिंग का आरोप

रायपुर। न्यूज पोर्टल की आड़ में कथित तौर पर ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार होटल कारोबारी दीपक टंडन को अदालत से राहत नहीं मिली है। नवम सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। मामले की गंभीरता और सामने आए आरोपों को देखते हुए अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया। पुलिस के अनुसार, दीपक टंडन पर न्यूज पोर्टल के माध्यम से भ्रामक और छवि धूमिल करने वाली खबरें प्रकाशित करने का आरोप है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 24 उद्योग समूहों को सौंपे इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर

लगभग 20 हजार युवाओं के लिए सृजित होंगे रोजगार के अवसर

- छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश का नया अध्याय, इंडस्ट्री डायलॉग में 1.07 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव
- डेढ़-दो वर्षों में साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव, लगभग 60 औद्योगिक परियोजनाओं में काम शुरू : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास के नए केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक विकास नीति और निवेश अनुकूल वातावरण के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। आज नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग चैप्टर-3 में प्रदेश को 24 उद्योग समूहों के माध्यम से 1 लाख 7 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावित निवेशों से प्रदेश के लगभग 20 हजार युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में निवेशक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर सौंपे और प्रदेश में निवेश के प्रति उनके विश्वास का स्वागत किया। उन्होंने उद्योगपतियों से आत्मीय संवाद कर उनके सुझाव सुने तथा उद्योग स्थापना से लेकर परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के लिए आवश्यक संसाधन, बेहतर अधोसंरचना, पर्याप्त बिजली-पानी, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल नीतिगत वातावरण उपलब्ध है। देश के मध्य में



स्थित होने के कारण प्रदेश को बेहतर कनेक्टिविटी और बाजारों तक पहुंच का भी लाभ मिलता है। हमारी सरकार इन विशेषताओं को बड़े औद्योगिक निवेश, स्थानीय रोजगार और प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अगले महीने राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवधि में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति और देश-विदेश में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग डेढ़-दो वर्षों में प्रदेश को साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि निवेश प्रस्ताव अब वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं का स्वरूप ले रहे हैं। प्रदेश में लगभग 60 औद्योगिक परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ हो चुका है। इससे स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ के प्रति निवेशकों का भरोसा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के रूप में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल निवेश प्रस्ताव प्राप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर सृजित करना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार उद्योग स्थापना की प्रक्रियाओं को निरंतर सरल बना रही है। सिंगल विंडो सिस्टम को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, ताकि निवेशकों को आवश्यक अनुमतियां पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो सकें। उन्होंने बताया कि जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से छोटे और प्रक्रियागत उल्लंघनों के लिए आपराधिक दंड के स्थान पर आर्थिक दंड की व्यवस्था की गई है। इससे व्यापार और उद्योगों के लिए अधिक विश्वासपूर्ण वातावरण तैयार हुआ है। सरकार का प्रयास है कि उद्यमी अनावश्यक प्रक्रियाओं में समय लगाने के बजाय उत्पादन, नवाचार और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

भूपेश बघेल का सरकार पर हमला,बोले छोटा रिचार्ज' से नहीं संभल रहा प्रदेश..

रायपुर/ संवाददाता

रायगढ़ जिले के खरसिया स्थित बोतल्दा रॉक गार्डन में युवती से मारपीट और सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मामले में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'छोटा रिचार्ज' से राज्य संभल नहीं रहा है, इसे बदल देना चाहिए। जानकारी के अनुसार, 14 नवंबर को युवती अपने प्रेमी के साथ बोतल्दा रॉक गार्डन घूमने गई थी। इसी दौरान दो युवकों ने उसके प्रेमी के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। आरोप है कि इसके बाद युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब इस घटना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। भूपेश बघेल ने धान खरीदी केंद्रों में शॉर्टेज के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की मांग की गई है, ताकि पिछले साल हुई धान खरीदी का पूरा ब्योरा सार्वजनिक हो सके। बघेल के मुताबिक, इस मांग को लेकर चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं आया है। राजस्व निरीक्षक परीक्षा पेपर लीक मामले में सामने आए नए तथ्यों और गिरफ्तारियों को लेकर भी पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल में आयोजित परीक्षाओं में लगातार गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। बघेल ने इन सभी मामलों की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए इसे 'जीरो टॉलरेंस की सरकार' बताया। इंडिया गठबंधन की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किए जाने को लेकर भी भूपेश बघेल ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग से लगातार संपर्क करने और बातचीत करने की कोशिश की गई, लेकिन आयोग के रवैये के कारण संवाद नहीं हो सका।

नाले में मिला अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव, इलाके में फैली सनसनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब सरना गांव के पास एक नाले में अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव बरामद हुआ। शव की हालत खराब होने के कारण फ्लिहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मामला रघुनाथनगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने नाले में एक व्यक्ति का शव तैरते हुए देखा। इसकी खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया। इसके बाद पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

आदिवासी समाज को कांग्रेस ने बनाया वोटबैंक

भाजपा ने विकास के लिए किए ठोस प्रयास : मुख्यमंत्री साय....

रायपुर। संवाददाता



जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को लेकर छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा भाजपा पर आदिवासी समाज के नाम पर ढोंग करने और जनजातीय समुदाय के विकास में रुचि नहीं लेने के आरोपों पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आजादी के बाद 79 वर्षों में लंबे समय तक कांग्रेस की सरकार केंद्र और राज्यों में रही, लेकिन उसने जनजातीय समाज को केवल वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनजातीय समुदाय के वास्तविक और समग्र विकास के लिए ठोस प्रयास किए हैं। सीएम साय ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में अलग से जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया गया था। वहीं, जनजातीय बहुल गांवों के विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है, जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 6,691 गांव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना शुरू की है। छत्तीसगढ़ में ऐसी पांच विशेष पिछड़ी जनजातियां हैं, जिनकी कुल आबादी लगभग 3 लाख 20 हजार है। इन समुदायों के बसाहट क्षेत्रों में पक्के मकान, सौर ऊर्जा से बिजली, पेयजल की सुविधा और राशन कार्ड जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया जा रहा है।

---

24 घंटे में दूर हुई पेयजल की समस्या ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत-यादव...

- 45 दिनों से खराब हैंडपंप की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने अगले ही दिन बहाल की पेयजल सुविधा

रायपुर/ संवाददाता

आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण का सशक्त माध्यम मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 बनकर उभर रही है। शासन की इस जनहितैषी पहल से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को भी अपनी समस्याओं का शीघ्र समाधान मिल रहा है। इसका सकारात्मक उदाहरण छत्तीसगढ के बीजापुर जिले के विकासखण्ड उसूर अंतर्गत ग्राम इलमिड़ी में देखने को मिला, जहां लगभग 45 दिनों से खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने के महज 24 घंटे के भीतर कर दी गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की तत्परता से गांव में पेयजल सुविधा पुनः बहाल हुई और ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। बीजापुर जिले के ग्राम इलमिड़ी में मंदिर के समीप स्थित हैंडपंप लगभग डेढ़ महीने से खराब था। इसके कारण आसपास निवासरत ग्रामीणों को पेयजल एवं दैनिक उपयोग के लिए पानी की व्यवस्था करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लंबे समय से बनी इस समस्या के समाधान के लिए ग्राम निवासी श्री कृष्णा यादव ने 07 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराते हुए हैंडपंप की शीघ्र मरम्मत कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत प्राप्त होते ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। विभागीय अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर हैंडपंप का निरीक्षण किया गया तथा खराबी का पता लगाकर 08 अक्टूबर 2026 को मरम्मत कार्य पूर्ण कर हैंडपंप को पुनः चालू कर दिया गया। हैंडपंप की मरम्मत होने से ग्रामीणों को पुनः पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध होने लगा। इससे लगभग डेढ़ महीने से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान हुआ। विभाग द्वारा शिकायतकर्ता से संपर्क कर समस्या के निराकरण की जानकारी भी दी गई।

वीएसके ऐप पर ऑनलाइन उपस्थिति नहीं लगाने वाले कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग में ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था को लेकर लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने सख्ती दिखाई है। विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) ऐप पर नियमित रूप से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले लोक सेवकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई में हो रही देरी पर संचालनालय ने नाराजगी जताई है। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को पत्र जारी कर तीन दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई और आरोप-पत्र से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। संचालनालय के अनुसार, बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद जिला स्तर से अपेक्षित जानकारी नहीं भेजी जा रही है। वीएसके ऐप पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले कर्मचारियों की सूची उपलब्ध कराने के बाद भी उनके खिलाफआरोप-पत्र तैयार करने में देरी हो रही है। इससे संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रभावित हो रही है। डीपीआई ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया है कि जानकारी और आरोप-पत्र उपलब्ध कराने में देरी के लिए संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी जिम्मेदार होंगे। संचालनालय ने जिला स्तर पर इस कार्य में बरती जा रही ढिलाई पर कड़ी आपत्ति जताई है।

मुख्य सचिव ने ई-ऑफिस एवं उपस्थिति रैंकिंग में हुए निरंतर सुधार पर अधिकारियों को दी बधाई



- मंत्रालय को आदर्श कार्यालय के रूप में स्थापित करने के लिए सुधारों का दस्तावेजीकरण और फीडबैक सर्वे कराने के दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने ई-ऑफिस एवं उपस्थिति (अटेंडेंस) रैंकिंग में निरंतर हो रही सुधार पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दोनों ही क्षेत्रों में उत्साहजनक प्रगति देखने को मिल रही है। इस बार 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक की सात माह की संचयी (कम्युलेटिव) रैंकिंग का आकलन भी किया गया है, जिसमें उल्लेखनीय सुधार परिलक्षित हुआ है। मुख्य सचिव द्वारा ई-ऑफिस में उत्कृष्ट काम करने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों, मंत्रालय के विभागों और विभागाध्यक्ष कार्यालयों और जिला कार्यालयों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया है। मुख्य सचिव ने सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देशित किया कि ई-ऑफिस एवं उपस्थिति व्यवस्था में अब तक हुए सुधारों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कराया जाए। साथ ही, यह भी आकलन किया जाए कि अब तक कितनी प्रगति हुई है और भविष्य में किन क्षेत्रों में और बेहतर सुधार किए जा सकते हैं। उन्होंने इस संबंध में फीडबैक सर्वे कराने के निर्देश भी दिए, ताकि व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझावों को शामिल किया जा सके। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने जिलों में ई-ऑफिस एवं उपस्थिति व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित करें तथा उनके कार्यों की सराहना करें। उन्होंने कहा कि मंत्रालय को एक आदर्श कार्यालय के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और निरंतर सुधार की भावना आवश्यक है। मंत्रालय में आयोजित इस समारोह में मुख्य सचिव ने ई-ऑफिस में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रथम से पांचवां स्थान प्राप्त करने वाले विभागों में चिकित्सा शिक्षा विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जनसम्पर्क विभाग एवं आदिम जाति विकास विभाग को सम्मानित किया। इसके साथ ही अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारियों को ई-ऑफिस के लिए सम्मानित किया गया। ई-ऑफिस में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विभिन्न पदों पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया है। इसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव श्रेणी में श्री सच्चिदानंद आलोक को प्रथम स्थान पर सम्मानित किया गया।

मोबाइल से टोकन काटने पर समय और आने-जाने की परेशानी से मिली राहत

किसान भगतराम राजवाड़े और रवि भूषण ने मोबाइल से घर बैठे काटा टोकन, अब टोकन के लिए नहीं लगाने पड़ते उपार्जन केंद्र के चक्कर.....

- तकनीक से आसान हुई खेती-किसानी, ऑनलाइन टोकन से किसानों को मिली राहत
- केशवपुर-मेंड्राकला धान उपार्जन केंद्र से 6 ग्राम पंचायतों के 452 पंजीकृत किसानों को मिल रही सुविधा

रायपुर/ संवाददाता



खेती-किसानी में किसानों का समय और मेहनत दोनों महत्वपूर्ण हैं। धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त करने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्र के चक्कर लगाना अब किसानों की मजबूरी नहीं रही। मोबाइल से घर बैठे ऑनलाइन टोकन काटने की सुविधा ने किसानों के लिए धान विक्रय की प्रक्रिया को आसान बना दिया है। अब किसान अपनी सुविधा के अनुसार टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर धान बेच रहे हैं। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में जिले के धान उपार्जन केंद्रों में देखने को मिल रही यह सुविधा किसानों के लिए राहत का माध्यम बन रही है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत थोर, केशवपुर, मेंड्राकला निवासी किसान भगतराम राजवाड़े ने बताया कि उन्होंने डेढ़ एकड़ में धान की खेती की है। अपनी उपज को बेचने के लिए उन्होंने स्वयं मोबाइल से ऑनलाइन टोकन काटा। उन्होंने कहा कि पहले टोकन प्राप्त करने के लिए उपार्जन केंद्र जाना पड़ता था, लेकिन अब घर बैठे मोबाइल से ही टोकन काटने की सुविधा मिल रही है। इससे किसानों का समय बच रहा है और अनावश्यक भागदौड़ भी नहीं करनी पड़ती। उन्होंने बताया कि धान खरीदी केंद्र में व्यवस्थाएं अच्छी हैं और धान खरीदी का कार्य भी सुचारू रूप से हो रहा है। किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य मिलने तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता प्राप्त होने से खेती-किसानी में सहयोग मिल रहा है। किसान भगतराम राजवाड़े ने धान खरीदी की व्यवस्था और किसानों को मिल रही सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी तरह ग्राम माझापारा (लोधिमा) निवासी किसान रवि भूषण ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष अपनी उपज में से 13 क्विंटल 60 किलोग्राम धान रामपुर उपार्जन केंद्र में विक्रय के लिए लाया है। उन्होंने भी मोबाइल के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन टोकन काटा।

संपादकीय

भारत का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर, फिर भी व्यापार घाटा 40 अरब डॉलर के पार

अक्टूबर में भारत का निर्यात रिकॉर्ड 49.47 अरब डॉलर पर पहुंचने के बावजूद आयात 90 अरब डॉलर होने से व्यापार घाटा 40 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है। पिछले कई महीनों से वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में जिस तरह की अस्थिरता छाई हुई है, उसमें अमूमन सभी देशों के सामने अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित और सकारात्मक रख पाना एक चुनौती बना हुआ है। खासतौर पर भारत जैसे विकासशील देशों के सामने मुश्किल यह खड़ी हो जाती है कि वे आयात और निर्यात की स्थिति के मुताबिक अपने व्यापार घाटे को कैसे नियंत्रित करते हैं। इस लिहाज से देखें तो भारत में इस साल अक्तूबर में निर्यात और आयात के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव के कई संकेत देते हैं। अक्तूबर महीने में वस्तुओं का निर्यात सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, वहीं आयात में भी रिकार्ड स्तर की बढ़ोतरी दर्ज की गई।आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने वस्तुओं का निर्यात बढ़ कर 49.47 अरब डालर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 34.11 अरब डालर था। दूसरी ओर, सेवाओं का निर्यात भी अक्तूबर 2025 के 35.17 अरब डालर से बढ़ कर 40.51 अरब डालर हो गया। महंगाई और रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों में बढ़ोतरी की संभावना के बीच आयात और निर्यात के ये आंकड़े बताते हैं कि भारत के सामने अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर या सकारात्मक बनाए रखने के लिए एहतियाती कदम उठाने की चुनौती कायम है।दरअसल, मासिक निर्यात में इस बार रिकार्ड वृद्धि की मुख्य वजह रिफाइंड पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रानिक्स और रत्न तथा आभूषण जैसे उत्पादों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है। हालांकि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद पश्चिम एशिया में उपजे संकट के बीच भारत को तेल और खाद सहित अन्य वस्तुओं के आयात के मोर्चे पर भी नई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।खासतौर पर पेट्रोलियम उत्पादों के आयात के लिए भारत को खाड़ी देशों के बजाय अन्य विकल्पों की ओर देखना पड़ा है। साथ ही होर्मुज जलमार्ग में अड़चन की वजह से आपूर्ति शृंखला बाधित होने के बीच भारत में वस्तुओं का आयात भी पांच वर्ष के रिकार्ड स्तर 90 अरब डालर पर पहुंच गया।जाहिर है, इससे वस्तुओं का व्यापार घाटा इस माह करीब चालीस अरब डालर हो गया। यह घाटा इस कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक है। आयात में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों के साथ-साथ इलेक्ट्रानिक्स और मशीनरी के दाम में इजाफा है। एक महीने में अब तक की सबसे ज्यादा वृद्धि और किसी भी महीने में वस्तुओं के सबसे ज्यादा निर्यात से उपजे उत्साह के बीच व्यापार घाटा के आंकड़े संतुलन के तकाजे को दर्शाते हैं।यों विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों में व्यापार घाटे से जुड़े प्रभाव कई बार सकारात्मक भी हो सकते हैं। दरअसल, जब एक देश द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य अन्य देशों को बेचे जाने वाले वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य से अधिक होता है, तो इसे व्यापार घाटा के तौर पर देखा जाता है।

आखिर क्यों बेपटरी हुईं माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं? भारत पर असर को समझिए

(कमलेश पांडे)

सूचना तकनीक विशेषज्ञ बताते हैं कि इस तरह की घटना के पीछे सर्वर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट, साइबर सुरक्षा और नेटवर्क प्रबंधन से जुड़ी कई वजहें हो सकती हैं। हालांकि, किसी खास व्यवधान का वास्तविक कारण कंपनी की तकनीकी जांच और आधिकारिक बयान से ही तय किया जा सकता है।

अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में व्यवधान केवल किसी एक कंपनी की तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि यह दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था की उस निर्भरता को भी उजागर करता है, जिसमें बैंकिंग, सरकारी कामकाज, विमानन, कारोबार, शिक्षा और संचार जैसी अनेक गतिविधियां कुछ बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के डिजिटल ढांचे पर निर्भर हैं।

सूचना तकनीक विशेषज्ञ बताते हैं कि इस तरह की घटना के पीछे सर्वर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट, साइबर सुरक्षा और नेटवर्क प्रबंधन से जुड़ी कई वजहें हो सकती हैं। हालांकि, किसी खास व्यवधान का वास्तविक कारण कंपनी की तकनीकी जांच और आधिकारिक बयान से ही तय किया जा सकता है।

स्पष्ट है कि इस तरह की परेशानियों से बचने के लिए यानी बालू की भीत पर निर्मित सूचना तकनीक संबंधी सफलता को आगे बनाए रखने के लिए इससे जुड़ी तकनीकी गड़बड़ी, क्लाउड पर निर्भरता और डिजिटल व्यवस्था की कमजोरियों को आद्योपरांत समझना होना और इसकी काट ढूंढनी पड़ेगी, क्योंकि यह संकट एक साथ उन 74 देशों पर मंडराया जो माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ले रहे हैं।



आइए सबसे पहले यह समझते हैं कि- पहला, इस अप्रत्याशित साइबर संकट के दौरान आखिर क्या हुआ था? 12 नवंबर 2026 को माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड आधारित सेवाओं में बड़ी तकनीकी बाधा सामने आई। इसका असर 13 नवंबर तक दुनिया के कई देशों में बना रहा। इस दौरान प्रमुख रूप से निम्नलिखित सेवाएं प्रभावित हुई थी। 1-(एआई) आउटलुक। ईमेल खोलने, भेजने और प्राप्त करने में परेशानी। (2) माइक्रोसाफ्ट टीम मीटिंग, कैलेंडर और कुछ चैट सुविधाओं में व्यवधान। (3) माइक्रोसाफ 365। ऑफिस के दस्तावेजों और अन्य कार्यस्थलीय सुविधाओं तक पहुंच में समस्या। (4) कोपायलट। एआई सहायक के लोड होने और कार्यस्थलीय डेटा तक पहुंचने में दिक्कत। (1) शेयरपाइंट और अन्य सेवाएः ईमेल तथा एक्सचेंज आनलाइन पर निर्भर कुछ सुविधाओं का प्रभावित होना। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस व्यवधान का असर 74 देशों और क्षेत्रों में देखने को मिला।

दूसरा, माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं बेपटरी होने की असली वजह क्या थी?: इस घटना में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समस्या सामान्य इंटरनेट ट्रैफिक बढ़ने के कारण नहीं हुई थी। उपलब्ध तकनीकी जानकारियों और माइक्रोसॉफ्ट के स्पष्टीकरण के आधार पर घटनाक्रम को इस प्रकार समझा जा सकता है- कारण एक- नेटवर्क अपग्रेड में तकनीकी खामी- माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ महीने पहले अपने नेटवर्क गेटवे की क्षमता बढ़ाने के लिए अपग्रेड किया था। इस अपग्रेड में एक तकनीकी बग रह गया था। कारण दो : नया नेटवर्क बदलाव- 12 नवंबर को किए गए एक अन्य नेटवर्क बदलाव ने पहले से मौजूद इस खामी को सक्रिय कर दिया। इसके परिणामस्वरूप कुछ सर्वर ठीक से काम करना बंद करने लगे। कारण तीन- सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव- जब कई सर्वर अनुपलब्ध हुए तो उनका काम बाकी उपलब्ध सर्वरों पर आने लगा। इससे शेष सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा और वे भी प्रभावित होने लगे। कारण चार:तकनीकी समस्या का फैलना- नेटवर्क कनेक्टिविटी और सर्वरों की स्थिरता प्रभावित होने से आउटलुक टीम और अन्य सेवाओं में भी समस्याएं आने लगीं। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने बाद में बताया कि मूल तकनीकी खामी को संबोधित कर लिया गया है और सेवाओं को धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है।

तीसरा, क्या यह साइबर हमला था या एआई की गलती? : इस घटना के बाद साइबर हमले और एआई सिस्टम की गड़बड़ी को लेकर भी सवाल उठे। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया कि उसे इस घटना में किसी दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधि का प्रमाण नहीं मिला। कंपनी ने यह भी कहा कि यह समस्या एआई या एआई एजेंट के कारण नहीं हुई थी। अर्थात उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के मुताबिक यह नेटवर्क अपग्रेड और कॉन्फिगरेशन से जुड़ी तकनीकी समस्या थी, न कि प्रमाणित साइबर हमला।

चौथा, भारत में इसका क्या असर पड़ा? : भारत में भी 12 नवंबर की रात से उपयोगकर्ताओं ने माइक्रोसाफ्ट 365 की सेवाओं में व्यवधान की शिकायतें करनी शुरू कर दी थीं। इसके प्रमुख प्रभाव थे- कंपनियों के ईमेल और आंतरिक संवाद में बाधा। ऑनलाइन बैठकों और कैलेंडर प्रबंधन में परेशानी। कुछ संस्थानों के डिजिटल कार्यों में देरी। कोपायलट और क्लाउड आधारित सुविधाओं के इस्तेमाल में समस्या। इंडिगो एयरलाइन की ईमेल सहायता सेवा प्रभावित हुई। कंपनी ने ग्राहकों को अन्य सहायता माध्यमों का इस्तेमाल करने की सलाह दी थी।

पांचवां, माइक्रोसॉफ्ट को सेवाएं बहाल करने में इतना समय क्यों लगा? : यह सवाल इस पूरे घटनाक्रम का महत्वपूर्ण पहलू है। सिर्फ खराब सर्वर को दोबारा चालू कर देना पर्याप्त नहीं था। कंपनी को यह सुनिश्चित करना था कि दोबारा चालू किए गए सर्वर स्थिर रहें। अतिरिक्त ट्रैफिक को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटा जा सके। ईमेल के लंबित संदेश सुरक्षित तरीके से पहुंचाए जा सकें। एक क्षेत्र में सुधार के बाद दूसरे क्षेत्र में नई समस्या न पैदा हो। शुरुआत में सर्वरों को दोबारा चालू करने पर कुछ सर्वर फिर से अनुत्तरदायी हो रहे थे। इसलिए माइक्रोसॉफ्ट को पुराने सॉफ्टवेयर कॉन्फिगरेशन पर कुछ सर्वर तैयार करने और ट्रैफिक प्रबंधन में बदलाव करने पड़े। 13 नवंबर को कंपनी ने व्यापक सुधार की जानकारी दी, लेकिन कुछ उपयोगकर्ताओं को रुक-रुककर परेशानी जारी रहने की आशंका भी जताई गई थी।

छठा, इस घटना से दुनिया को क्या सबक मिला? : इस घटना के पांच बड़े निहितार्थ हैं। एक, डिजिटल दुनिया की केंद्रीकृत निर्भरता- जब बड़ी संख्या में कंपनियां एक ही टेक्नोलॉजी प्रदाता की सेवाओं पर निर्भर होती हैं, तब उसकी तकनीकी समस्या का प्रभाव अनेक देशों और उद्योगों तक पहुंच सकता है। दो, क्लाउड सेवाओं का जोखिम- क्लाउड कंप्यूटिंग ने कारोबार को आसान बनाया है, लेकिन इससे कंपनियों की अपनी तकनीकी व्यवस्था पर निर्भरता भी कम हुई है। अब सेवा प्रदाता की उपलब्धता कारोबार की निरंतरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। तीन, साइबर सुरक्षा से आगे बढ़कर तकनीकी सुरक्षा- साइबर हमले से बचाव जरूरी है, लेकिन नेटवर्क अपग्रेड, सॉफ्टवेयर बदलाव और सर्वर प्रबंधन में छोटी-सी तकनीकी खामी भी बड़े व्यवधान का कारण बन सकती है। चार, डिजिटल संप्रभुता का महत्व- भारत और यूरोपीय देशों के लिए यह विचारणीय विषय है कि महत्वपूर्ण सरकारी, वित्तीय और कारोबारी सेवाओं के लिए वैकल्पिक डिजिटल ढांचा कितना मजबूत होना चाहिए। पांच, बैकअप व्यवस्था अनिवार्य- कंपनियों और सरकारी संस्थानों को वैकल्पिक ईमेल व्यवस्था, स्थानीय डेटा बैकअप, आपातकालीन संचार और एक से अधिक सेवा प्रदाताओं पर विचार करना चाहिए।

सातवां, क्या भारत को अपनी डिजिटल व्यवस्था के लिए नई रणनीति बनानी चाहिए?=

इस घटना के बाद भारत के सामने कुछ महत्वपूर्ण नीतिगत प्रश्न समुपस्थित हैं=(1) सरकारी सेवाएं- वैकल्पिक डिजिटल व्यवस्था। (2) बैंकिंग- स्वतंत्र बैकअप और आपदा प्रबंधन। (3) शिक्षा- ऑफलाइन शिक्षण सामग्री और वैकल्पिक प्लेटफॉर्म। (4) विमानन- वैकल्पिक संचार नेटवर्क। (1) मीडिया- स्वतंत्र ईमेल और डेटा बैकअप। (2) उद्योग- मल्टी-क्लाउड रणनीति। विशेषकर भारत को स्वदेशी क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

वास्तव में, तकनीकी सुविधा के साथ तकनीकी आत्मनिर्भरता भी जरूरी है। माइक्रोसॉफ्ट की नवंबर 2026 की घटना यह बताती है कि आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था में तकनीकी सुविधा और तकनीकी सुरक्षा दोनों का समान महत्व है। यह केवल माइक्रोसॉफ्ट की समस्या नहीं थी। यह उस वैश्विक व्यवस्था के लिए चेतावनी थी, जहां कुछ बड़ी कंपनियों की सेवाओं पर दुनिया की महत्वपूर्ण गतिविधियां निर्भर हो गई हैं।

यह घटनाक्रम भारत के लिए स्पष्ट संदेश है कि डिजिटल इंडिया को मजबूत बनाने के साथ-साथ डिजिटल आत्मनिर्भरता, डेटा सुरक्षा, वैकल्पिक नेटवर्क और तकनीकी आपातकालीन व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। क्योंकि डिजिटल युग में किसी एक बड़े तकनीकी प्लेटफॉर्म का ठप होना केवल कंप्यूटर स्क्रीन पर आने वाली त्रुटि नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, प्रशासन और आम नागरिक के कामकाज को प्रभावित करने वाला संकट बन सकता है। **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

भारतीय कार्नेगी महाराजा माधो राव सिंधिया के जन्म के 150 साल पूरे

(अरुणांश बी. गोस्वामी)

हिंदी तिथि के अनुसार 14 नवम्बर को, महाराजा माधो राव सिंधिया का जन्मदिन था। इस युवा राजकुमार ने एक अत्यंत बड़ी विरासत संभाली; अपने पिता की तरफ से, वह मशहूर मराठा महाराज महादजी सिंधिया के वंशज थे, जिन्होंने अठारहवीं सदी में मुगल साम्राज्य पर मराठा राज कायम किया था और पहले अंग्रेज-मराठा युद्ध के दौरान अंग्रेजों को धूल चटाई थी। अपनी माँ की तरफ से, उनका वंश देवगिरी के यादवों से जुड़ा था, जिन्हें सेउना वंश के नाम से जाना जाता था। अंग्रेजी तिथि के अनुसार 20 अक्टूबर 2026 को माधो महाराज के जन्म के 150 साल पूरे हुए थे।

महाराजा माधो राव सिंधिया : महाराजा माधो राव सिंधिया 20 जून, 1886 को सिंधिया राज्य की गद्दी पर बैठे और परिपक्व होने तक रीजेंसी काउंसिल के तहत राज किया और 15 दिसंबर, 1894 को उन्हें पूरा राज करने का अधिकार दिया गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक, पंडित मदन मोहन मालवीय (भारत रत्न) ने माधो महाराजा के राज के बारे में लिखा था कि जब से महामहिम (माधो राव सिंधिया) गद्दी पर आए हैं, उनके राज में बहुत तरक्की हुई है। उन्होंने अपनी प्यार भरी देखभाल में सौंपे गए लोगों की भलाई के लिए सच में पिता जैसी चिंता दिखाई है, और जैसा कि हम सब जानते हैं, उन्होंने उस भलाई को बढ़ावा देने में कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। एक महान राज्य के शासक के तौर पर महामहिम को मिली कामयाबी ने उन्हें उन सभी का सम्मान और तारीफ़ दिलाई है, जिन्होंने महामहिम के राज में राज्य की तरक्की को देखा है।

महाराजा माधो राव सिंधिया : 23 जून, 1920 को बॉम्बे के माधव बाग में एक सार्वजनिक बैठक हुई, जहाँ पंडित मालवीय ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पर एक उद्बोधन दिया। मीटिंग की अध्यक्षता महाराजा माधो राव सिंधिया ने की और इसमें महात्मा गांधी, बीकानेर के महाराजा और मौलाना शौकत अली जैसे जाने-माने लोगों सहित काफी लोग आए थे। यह देखा गया कि पंडित मालवीय और दो महाराजा उस दोपहर विनम्र याचिकाकर्ता के तौर पर उनके पास आए थे। इसलिए, यह उनकी ज़िम्मेदारी थी कि वे विश्वविद्यालय के फंड में जितना हो सके उतना योगदान दें, और उन्हें ऐसा तुरंत और मौके पर ही करना चाहिए। तारीफ़ में, पंडित मालवीय ने सार्वजनिक बैठक के अध्यक्ष के तौर पर महाराजा सिंधिया की भूमिका के लिए दिल से धन्यवाद दिया। 1922 के असहयोग आंदोलन के दौरान, महाराजा माधो राव सिंधिया ने अपने गृह मंत्री, देवास जूनियर के सदाशिवराव पवार के ज़रिए महात्मा गांधी को एक ज़ुबानी मैसेज भेजा था। इसमें उन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ाई के लिए पैसों के डोनेशन वाले एक बॉक्स के साथ अपनी गहरी संवेदनाएं जताई थीं। बाल गंगाधर तिलक के शुरू किए गए पुणे के मराठा अखबार ने एक लेख छापा था, जिसमें लिखा था, महाराष्ट्र को उत्तरी भारत में इस मराठा राजकुमार की कामयाबियों पर गर्व है। महाराजा ने अलग-अलग हैसियत से अपने गृह प्रांत के साथ करीबी रिश्ते बनाए रखे हैं। उनके लीडरशिप में, ग्वालियर के एडमिनिस्ट्रेशन में काफी सुधार हुए हैं, और कुल मिलाकर, लोग खुश और संतुष्ट हैं।

हिंदवी स्वराज्य : इतिहासकारों का मानना है कि जहाँ छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की नींव रखी थी, वहीं महादजी सिंधिया ने उस पर पूरा ढांचा और उसके ऊंचे शिखर खड़े किए। हिंदवी स्वराज्य सिंधिया राजवंश के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। महाराजा माधो राव सिंधिया ने शिवनेरी में छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान के जीर्णोद्धार और पुणे में उनकी पहली अश्वारूढ़ प्रतिमा की स्थापना में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अखिल भारतीय श्री शिवाजी स्मारक सोसाइटी की शुरुआत 1917 में माधो महाराजा और कोल्हापुर के छत्रपति शाहू महाराज ने की थी। शाहूजी ने माधो महारा के बारे में लिखा कि मेरे भाई मराठा महाराजा (माधो राव सिंधिया), एक महाराज जिन्होंने अपने महान पूर्वज महादजी सिंधिया की शानदार परंपराओं को ज़िंदा रखा है, जिन्होंने शिवाजी के बाद मराठों की पॉलिसी तय कीज., मुझे उम्मीद है कि ग्वालियर के महाराजा का शामिल होना और उनकी चिंता इस स्कीम (छत्रपति शिवाजी मेमोरियल का निर्माण) को सफल बनाएगी। मेमोरियल का काम उनसे बेहतर आदमी को नहीं सौंपा जा सकता था।

सेवा और भलाई : महाराजा माधो राव सिंधिया का एक मज़बूत प्रशासन बनाने का पक्का वादा, सिंधिया राज्य के नागरिकों के फ़ायदे के लिए उसके आर्थिक संसाधनों को विकसित करने के उनके उतने ही मज़बूत इरादे से मेल खाता था। इसका एक बड़ा उदाहरण राज्य से गुज़रने वाली रेलवे थी। हालांकि उनके पहले के समय में रेलवे के विकास में कुछ तरक्की हुई थी, लेकिन यह माधो राव सिंधिया ही थे जिन्होंने ग्वालियर लाइट रेलवे को काफ़ी आगे बढ़ाया, जो सिर्फ़ महाराजा के लिए एक मनोरंजन का ज़रिया नहीं थी, बल्कि राज्य के लिए काफ़ी मुनाफ़ा कमाने वाला थी। इंडियन नेशनल कांग्रेस की पहली महिला प्रेसिडेंट एनी बेसेंट ने महाराजा माधो राव सिंधिया के बारे में कहा था, उनकी राजधानी की एक खास बात यह है ज उनके राज्य में सभी धर्मों के बराबर इस्तेमाल के लिए एक पार्क बनाया गया है, जिसमें हर धर्म का अपना मंदिर है, और सभी के साथ पूरी तरह से बिना भेदभाव के बर्ताव किया जाता है। सिंधिया का मानना है कि एक राजा को अपने राज्य में सभी धर्मों की बराबर सुरक्षा करनी चाहिए। वह इस पार्क को सभी नागरिकों के लिए एक ऐसी जगह बनाना चाहते हैं, जहाँ उनके निष्पक्ष शासन में सभी धर्मों का सम्मान और आदर हो, जिससे हर कोई आज़ादी और सुरक्षा का आनंद ले सके।

लूट या मरीजों की मजबूरी? कैंसर और अन्य दवाओं पर 1000 प्रतिशत तक मुनाफा, सुप्रीम कोर्ट सख्त

मगर सवाल है कि राहत का दायरा केवल कैंसर की कुछ दवाओं तक ही क्यों सीमित रहे? हृदय रोग, मधुमेह और दूसरी गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं तथा चिकित्सा सामग्री की कीमतों पर भी प्रभावी निगरानी जरूरी है। दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच संबंधों को लेकर भी लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। आरोप लगते हैं कि कुछ दवा कंपनियां चिकित्सकों को उपहार, यात्राओं और अन्य सुविधाओं के जरिए अपने ब्रांड की दवाएं लिखने के लिए प्रभावित करती हैं।

(ऋतुपर्ण दवे)

किसी बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति और उसके परिजनों के लिए सबसे बड़ी चिंता मरीज का जीवन बचाना होती है। ऐसे समय में दवाओं की कीमत, उनकी वास्तविक लागत और अस्पताल द्वारा वसूले जा रहे मुनाफे का हिसाब लगाना उसकी प्राथमिकता नहीं रह जाता। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर दवा कंपनियों और निजी अस्पतालों के बीच ऐसा कारोबार फल-फूल रहा है, जिसमें मरीज की जेब पर सबसे अधिक बोझ पड़ता है। दवाओं और चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की कीमतों में भारी अंतर का मामला अब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच चुका है। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में स्वीकार किया है कि अस्पताल मरीजों से दवाओं व चिकित्सा सामग्री पर बहुत अधिक व्यापारिक मुनाफा वसूलते हैं। सरकार के हलफनामे के मुताबिक, कुछ कैंसररोधी दवाओं पर 170 से 700 फीसद या इससे अधिक तक व्यापारिक मुनाफा वसूला जा रहा है। इसी तरह अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली चिकित्सा सामग्री पर यह मुनाफा 100 से 1,000 फीसद या इससे अधिक तक है। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि अस्पताल कई बार उन दवाओं और चिकित्सा वस्तुओं को खरीदने में प्राथमिकता देते हैं, जिन पर अधिक मुनाफा मिलता है और जिनका अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) ऊंचा होता है।

बाद में मरीज से वही कीमत वसूली जाती है। विडंबना यह है कि देश में सस्ती दवाएं बनाने वाली कंपनियां मौजूद हैं, लेकिन



मरीजों को उन्हीं दवाओं के लिए वास्तविक खरीद लागत से कहीं अधिक भुगतान करना पड़ता है। इस मनमानी की सबसे बड़ी वजह मरीज और अस्पताल के बीच जानकारी तथा मोलभाव करने की क्षमता का असमान होना है। मरीज को न तो दवाओं की वास्तविक कीमत मालूम होती है और न ही उनके सस्ते विकल्पों की जानकारी। अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई बार उसे परिसर में ही स्थित दुकान से दवाएं और चिकित्सा सामग्री खरीदने के लिए बाध्य होना पड़ता है। बाहर से दवा लाने पर गुणवत्ता या प्रामाणिकता का सवाल उठाया जाता है। गंभीर बीमारी के दौरान मरीज और उसके परिजन अस्पताल से बहस करने का साहस भी नहीं जुटा पाते। उन्हें आशंका रहती है कि कहीं इसका असर इलाज पर न पड़े। ऐसे में वे बिल में दर्ज हर रकम चुपचाप चुकाने को मजबूर होते हैं।

दवाओं की कीमतों का यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में उठने के बाद सरकार पर व्यापक नियमन की व्यवस्था बनाने का दबाव बढ़ा है। अदालत ने दवाओं के खुदरा मूल्य और उन्हें विक्रेताओं को उपलब्ध कराने की कीमत के बीच बड़े अंतर पर सवाल उठाए हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी पूछा कि जब कुछ दवाओं पर व्यापारिक मुनाफा सीमित किया जा सकता है, तो दूसरी जरूरी दवाओं और चिकित्सा सामग्री के मामले में ऐसा क्यों नहीं हो सकता।

अदालत ने सभी दवाओं पर समान रूप से 16 फीसद मुनाफा निर्धारित करने की संभावना पर भी सरकार से विचार करने को कहा। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह संबंधित पक्षों से बातचीत करके उचित हस्तक्षेप की तैयारी कर रही है। हालांकि, सरकार ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसररोधी दवाओं पर व्यापारिक मुनाफा 30 फीसद तक सीमित करने की अधिसूचना जारी की है। संशोधित कीमतें नौ नवंबर 2026 से लागू होनी हैं। इससे संबंधित दवाओं की कीमतों में मौजूदा मूल्य संरचना के अनुसार 70 फीसद तक कमी आने की उम्मीद है।

मगर सवाल है कि राहत का दायरा केवल कैंसर की कुछ दवाओं तक ही क्यों सीमित रहे? हृदय रोग, मधुमेह और दूसरी गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं तथा चिकित्सा सामग्री की कीमतों पर भी प्रभावी निगरानी जरूरी है। दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच संबंधों को लेकर भी लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। आरोप लगते हैं कि कुछ दवा कंपनियां चिकित्सकों को उपहार, यात्राओं और अन्य सुविधाओं के जरिए अपने ब्रांड की दवाएं लिखने के लिए प्रभावित करती हैं। इससे महंगी दवाओं को प्राथमिकता मिलने और मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि, ऐसे आरोपों को बिना जांच के सामान्य प्रवृत्ति नहीं माना जा सकता, लेकिन इस क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत से इनकार भी नहीं किया जा सकता। इस समस्या का सामाजिक पक्ष भी बेहद गंभीर है। वर्ष 2020 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बताया था कि इलाज पर होने वाले खर्च के कारण हर साल लगभग 6.3 करोड़ परिवार गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। यह उस समय का आंकड़ा है, लेकिन इससे स्वास्थ्य खर्च और आर्थिक बदहाली के बीच संबंध का अंदाजा लगाया जा सकता है। मरीज के इलाज के लिए परिवार अपनी जीवन भर की बचत खर्च कर देते हैं। कई बार घर, खेत और जेवर तक गिरवी रखने या बेचने पड़ते हैं। बीमारी से उबरने के बाद भी कर्ज का बोझ लंबे समय तक परिवार का पीछा करता है। इससे निपटने के लिए एक प्रभावी उपाय मेडिकल बिल आडिट की व्यवस्था हो सकती है।

मरीजों को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपने अस्पताल के बिल की विशेषज्ञों से जांच करा सकें। यदि किसी दवा या चिकित्सा सामग्री के मूल्य में अनुचित अंतर पाया जाए, तो संबंधित अस्पताल से जवाब मांगा जाए और अतिरिक्त वसूली की स्थिति में मरीज को रकम लौटाई जाए। आज जब अस्पतालों में जांच रिपोर्ट, चिकित्सकीय परामर्श और मरीजों का पूरा विवरण आनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है, तो बिलों को भी इसी तरह डिजिटल रूप में तैयार करना मुश्किल नहीं होना चाहिए।

सरकार एक ऐसा साझा आनलाइन पोर्टल बना सकती है, जिस पर अस्पतालों के प्रत्येक मरीज का बिल, दवाओं, जांच और चिकित्सा सामग्री का पूरा विवरण स्वतः दर्ज हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से इन बिलों की जांच की जा सकती है। जहां दवाओं की खरीद कीमत और मरीज से वसूली गई रकम में असामान्य अंतर दिखाई दे, वहां संबंधित अस्पताल की जांच हो। इस व्यवस्था में मरीज की निजता और स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। सरकारी एजेंसियां आकस्मिक जांच के जरिए यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि अस्पतालों में मनमानी वसूली न हो।

संक्षिप्त समाचार



किसानों में उत्साह, पांचवें दिन 1377 किसानों से 5 हजार 231.64 मीट्रिक टन धान की खरीदी

राजनांदगांव। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में किसान उत्साह के साथ अपनी उपज लेकर पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। धान खरीदी के पांचवें दिन आज जिले के 121 उपार्जन केन्द्रों में धान विक्रय के लिए कुल 1426 टोकन जारी किए गए थे। इन टोकनों के माध्यम से 5 हजार 849.28 मीट्रिक टन धान विक्रय के लिए पंजीकृत था। जारी टोकनों में से 1377 किसानों ने कुल 5 हजार 231.64 मीट्रिक टन धान का विक्रय किया। इस प्रकार टोकन प्राप्त करने वाले 96.56 प्रतिशत किसानों ने आज अपनी उपज का विक्रय किया।

जिले में धान खरीदी प्रारंभ होने से अब तक कुल 5538 किसानों से 20 हजार 681.44 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए उपार्जन केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ धान खरीदी कार्य की सतत निगरानी की जा रही है। आगामी दिवस 20 नवम्बर 2026 को धान विक्रय के लिए जिले के सभी 122 उपार्जन केन्द्रों में कुल 1621 टोकन जारी किए गए हैं। इन टोकनों के माध्यम से कुल 6 हजार 702.14 मीट्रिक टन धान विक्रय के लिए पंजीकृत है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में धान के अवैध भंडारण, परिवहन एवं उपार्जन केन्द्रों में अवैध धान खपाने के प्रयासों पर रोक लगाने के लिए राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग द्वारा लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।



खल्लारी महाकालेश्वर महासभा का नियमावली (बैलाज) का विमोचन

बलौदा बाजार। खल्लारी महाकालेश्वर महासभा द्वारा अपने सामाजिक नियमावली (बैलाज) विमोचन बोईरडीह परिक्षेत्र के आश्रित डीह कुथरौद महाकालेश्वर धाम में मातृ शक्ति, पितृ शक्ति, युवा शक्ति, युवती शक्ति के बीच में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के लोगो द्वारा अपने बच्चों को संस्कार व शिक्षा देने, संस्कृति को बनाये रखने, महिलाओ को संगठित करने, सामाजिक नियमों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, समाज में एकता बनाये रखने जैसे विषयो पर बात हुयी द्य समाज के सभी लोगो ने नियम का पालन करने पर सहमति जातायी द्य कार्यक्रम में खल्लारी महाकालेश्वर महासभा के अध्यक्ष भागबली ध्रुव, उपाध्यक्ष तिरिथ मरकाम, महासचिव फत्तेलाल ध्रुव, प्रवक्ता पुनाराम मंडावी, सलाहकार आनंद मरकाम, महामंत्री शिव मरई महासभा के सभी पदाधिकारी, रानीजरौद परिक्षेत्र के अध्यक्ष टॉपलाल ध्रुव , गोंडखपरी परिक्षेत्र के अध्यक्ष शत्रुहन नेताम, दीवान रामानुज मंडावी, लावर चक अध्यक्ष देवीन बाई नेताम साथ ही बोईरडीह परिक्षेत्र के अध्यक्ष हेमलाल नेताम, सचिव अरान ध्रुव पूर्व अध्यक्ष पंचराम ध्रुव , गुहाराम कोषाध्यक्ष, तिहारु ध्रुव दीवान,आधार सींग सूर्यवंशी संरक्षक एवं महिला प्रभाग अध्यक्ष नेहा ध्रुव, भागमती ध्रुव।



कांग्रेसियों ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी की जयंती

बलौदा बाजार। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी की जयंती के अवसर पर आज 19 नवंबर को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, बलौदाबाजार में श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इंदिरा गांधी जी का संपूर्ण जीवन साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व एवं राष्ट्रसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने देश की एकता एवं अखंडता को सर्वोपरि रखते हुए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए।



एकमुश्त धान विक्रय से मिली राहत, बोनस की राशि से किसानों को अतिरिक्त संबल

धमतरी। एकमुश्त धान विक्रय से मिली राहत, बोनस की राशि से किसानों को अतिरिक्त संबलखरीफविपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सुव्यवस्थित व्यवस्था किसानों के लिए सुविधा और राहत का माध्यम बन रही है। ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए सहजता मिल रही है। इसी व्यवस्था का लाभ उठाते हुए शुभारंभ दिन (15 नवंबर) को ग्राम बोरीद खुर्द के किसान लखिराम साहू ने सोरम धान खरीदी केंद्र में एक ही दिन में अपना पूरा धान विक्रय किया। लखिराम साहू कुल दो एकड़ कृषि भूमि में खेती करते हैं। इसमें एक एकड़ जमीन ग्राम बोरीद खुर्द और एक एकड़ ग्राम पुरुर में है। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से 18 क्विंटल धान का टोकन प्राप्त किया और आज अपनी पूरी उपज एकमुश्त बेच दी। वे बताते हैं कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से टोकन प्राप्त करने में काफी आसानी हुई है। इससे खरीदी केंद्र पहुंचने और धान विक्रय की प्रक्रिया भी सुविधाजनक रही। लखिराम साहू का परिवार संयुक्त रूप से रहता है, जिसमें पति-पत्नी, बेटा-बहू और उनके दो स्कूली बच्चे शामिल हैं। धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे आगामी रबी फसल की तैयारी, घरेलू आवश्यकताओं और बच्चों की पढ़ाई पर करेंगे। उन्होंने विशेष खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इस वर्ष उनकी उपज का कुल उत्पादन 21 क्विंटल हुआ है, लेकिन वर्तमान खरीदी व्यवस्था में 18 क्विंटल धान का ही विक्रय हुआ है। कृषि उन्नत योजना के तहत शेष 3 क्विंटल धान के लिए भी शासन की नई योजना के तहत बोनस राशि मिलने की जानकारी से उन्हें अतिरिक्त आर्थिक संबल मिलने की उम्मीद है।

भविष्य की तकनीक से जुड़ेंगे जिले के स्कूली बच्चे

- **समस्याओं का समाधान खोजना और डिजिटल रचनात्मकता सीखेंगे विद्यार्थी, जिला प्रशासन की अभिनव पहल**
- **300 से अधिक स्कूलों, 4 हजार से अधिक शिक्षकों और 30 हजार से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य**



सारंगढ़-बिलाईगढ। आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार सहित जीवन के अनेक क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की भूमिका बढ़ रही है। बदलते तकनीकी परिवेश में जिले के स्कूली बच्चों को एआई की उपयोगिता से परिचित कराने और उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए सारंगढ़-बिलाईगढ़ में क्रिएटिव एवं एआई कौशल विकास कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल से विद्यार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल तकनीक सीखने के अवसर मिलेंगे। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू की विशेष रुचि और नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। स्किल्जा की इस पहल को कैनवा एजुकेशन का सहयोग प्राप्त है। 18 नवंबर से 24 दिसंबर 2026 तक आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के 300 से अधिक स्कूलों, 4 हजार से अधिक शिक्षकों और 30 हजार से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एआई के विभिन्न टूल और वास्तविक जीवन में उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी जाएगी। बच्चे सीखेंगे कि तकनीक की सहायता से जानकारी को समझने, नए विचार विकसित करने और समस्याओं के समाधान खोजने में किस प्रकार मदद मिल सकती है। इसके साथ ही उन्हें डिजाइन, कहानी कहने की कला और डिजिटल रचनात्मकता से भी परिचित कराया जाएगा। एआई और डिजिटल कौशल से परिचय विद्यार्थियों को भविष्य में उच्च शिक्षा, नए कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के बदलते अवसरों के लिए तैयार होने में सहायक हो सकता है। कार्यक्रम में बच्चों को तकनीक का समझदारी से उपयोग करने के साथ अपनी कल्पनाशीलता और विचार क्षमता को विकसित करने के अवसर दिए जाएंगे।

विद्यार्थियों की राय

कक्षा 11वीं कला संकाय की छात्रा दामिनी बंजारे का कहना है कि एआई और डिजिटल डिजाइन सीखने से उन्हें अपनी रचनात्मक सोच को नए तरीके से प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। पोस्टर और अन्य डिजिटल सामग्री तैयार करने का अवसर उनके लिए उपयोगी होगा। कक्षा 10वीं की छात्रा अंजलि सिदार ने एआई को नई जानकारी समझने और पढ़ाई से जुड़े विचारों को आगे बढ़ाने में उपयोगी बताया। उनका मानना है कि इस कार्यक्रम से उन्हें आधुनिक तकनीक के बारे में सीखने और उसका सही उपयोग समझने का अवसर मिलेगा।

कक्षा 11वीं की छात्रा हिना चंद्रा के अनुसार, डिजिटल कौशल सीखने से भविष्य की पढ़ाई और नए क्षेत्रों के बारे में जानने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वयं प्रयोग करके सीखने से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। कक्षा 11वीं की छात्रा कविता सिदार ने कहा कि एआई की मदद से किसी समस्या के समाधान के लिए नए विचार मिल सकते हैं। स्कूल में ऐसी तकनीक सीखने से बच्चों को अपनी कल्पनाओं को आकार देने और कुछ नया बनाने की प्रेरणा मिलेगी।

शिक्षकों को भी कार्यक्रम से जोड़ते हुए रचनात्मक और डिजिटल शिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कैनवा फॉर एजुकेशन के माध्यम से डिजिटल सामग्री तैयार करने और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को अधिक रोचक बनाने में सहायता मिलेगी।

जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को बदलते तकनीकी परिवेश से परिचित कराना तथा बच्चों को आत्मविश्वास के साथ नए विचार प्रस्तुत करने और भविष्य के लिए उपयोगी कौशल विकसित करने के अवसर प्रदान करना है।

महापौर परिषद की बैठक में विकास कार्यों को मिली सहमति, राजस्व वसूली के लिए नया सॉफ्टवेयर होगा लागू



भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त सुरूचि सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, राजस्व वसूली व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर परिषद के सदस्यों ने सभी विषयों पर विचार-विमर्श करने के पश्चात संबंधित कार्यों को कराए जाने के लिए सर्वसम्मति से अनुशंसा प्रदान की। बैठक के प्रथम चरण में निकाय के संपत्तिकर, राजस्व कर एवं विभिन्न शुल्कों की वसूली से संबंधित आंकड़ों के संचालन एवं प्रबंधन में विश्वसनीयता और गुणवत्ता को मजबूत करने के उद्देश्य से वर्तमान निजी एजेंसी द्वारा उपयोग किए जा रहे सॉफ्टवेयर के स्थान पर नया सॉफ्टवेयर लागू करने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। निकाय द्वारा अनुमोदित एक्सिस बैंक के माध्यम से विकसित सॉफ्टवेयर का समुचित परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण में सफल एवं उपयुक्त पाए जाने पर इसी सॉफ्टवेयर का उपयोग राजस्व करों की वसूली के लिए किए जाने पर महापौर परिषद ने सहमति प्रदान की। इससे राजस्व संबंधी आंकड़ों के बेहतर प्रबंधन और वसूली प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। इसी प्रकार 15वें वित्त आयोग अंतर्गत मिलियन प्लस सिटी के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और सुदृढ़ करने आधुनिक वाहनों/मशीनों से सफाई व्यवस्था एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा। 15वें वित्त आयोग के मिलियन प्लस सिटी अंतर्गत अनटाइड ग्रांट एवं टाइड ग्रांट के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन घटक के तहत विभिन्न निर्माण कार्यों के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। इसमें जोन क्रमांक-2 अंतर्गत सीमेंटीकरण रोड निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये, वार्ड क्रमांक 20, 21 एवं 23 में सीवर लाइन बिछाने के लिए 1 करोड़ 68 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 24 हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में सीवरेज नवीनीकरण एवं नवीन सेप्टिक टैंक निर्माण के लिए 1 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत के कार्य शामिल हैं। इन कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा आमंत्रित करने की अनुमति के लिए महापौर परिषद ने अनुशंसा प्रदान की। मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना मद अंतर्गत शहर के महत्वपूर्ण मार्ग नंदिनी रोड का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई। जोन क्रमांक-3 में एसीसी चौक से पावर हाउस चौक तक नंदिनी रोड का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कुल 2 करोड़ 79 लाख 90 हजार रुपये की लागत से कराया जाएगा।

जमीन हमारी, प्रदूषण हमारा, लेकिन मुनाफे में हिस्सेदारी शून्य! सात साल से सीएसआर के नाम पर छले जा रहे दर्जनों गांव



बलौदाबाजार। जिले में संचालित सीमेंट संयंत्रों के आसपास बसे गांवों में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत विकास कार्य नहीं होने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सीमेंट कंपनियां क्षेत्र की जमीन और संसाधनों का उपयोग कर करोड़ों का कारोबार कर रही हैं, लेकिन संयंत्र प्रभावित गांवों के विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले 6 से 7 वर्षों से अधिकांश प्रभावित गांवों में सीएसआर के तहत स्वास्थ्य शिविर, जरूरतमंद परिवारों को सहायता और शिक्षा से जुड़े कार्य लगभग बंद पड़े हैं। कभी स्थानीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल बैग, जूते-मोजे और टाई जैसी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन अब ऐसी योजनाएं भी बंद हो चुकी हैं। कड़ाके की ठंड में गरीब परिवारों को कंबल वितरण जैसी छोटी-छोटी राहत गतिविधियां भी नजर नहीं आ रही हैं।

मानव नवनिर्माण संस्थान् ने वृद्धाश्रम में 26वाँ राज्योत्सव मनाया



राजनांदगांव्। प्रतिष्ठित समाजसेवी संस्था मानव नवनिर्माण संस्थान् ने 26वाँ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस भगवान महावीर समता वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के बीच मनाया। यह संस्थान के प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले 'वृद्धजन सम्मिलन' का हिस्सा था। ''मानस'' संस्थान् द्वारा अपने संकल्पित लक्ष्य 'सतत् वृद्धजन सम्मिलन' कार्यक्रम के अंतर्गत ''छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026'' राज्य निर्माण के प्रत्यक्ष प्रमाण रहे समाज के वृद्धजनों और वरिष्ठजनों के बीच उपस्थित होकर मनाया। इस अवसर पर हमेशा की तरह ''मानस परिवार'' के सभी सदस्य उपस्थित हुए। आयोजन का उद्धेश्य वर्तमान परिवेश में समाज का वरिष्ठजनों स्थिति के प्रति आदर और स्नेह का प्रकट करना, साथ ही उनके भीतर वर्तमान पीढ़ी के दृष्टिकोण को समझना था।

वृद्धाश्रम में ज्यादातर महिलाएँ हैं, ऐसे में संस्थान् के अध्यक्ष श्रीमती किरण दुबे, आरती सोनबेर और डोलकुमारी पटेल ने पारिवारिक वातावरण में अपने-अपने स्तर से वृद्धजनों के दिनचर्या को समझा और समाज के सहज दृष्टिकोण के बारे में बातें साझा की। संस्थान् की ओर से डॉ. बसंत सोनबर, डॉ. सुरेश पटेल, आलोक जोशी के आग्रह पर वृद्धजनों ने भी अपने बातों को रखा ।

छत्तीसगढ़ में स्पेशल एजुकेटर के 38 पदों पर सीधी भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्पेशल एजुकेटर के 38 पदों पर सीधी भर्ती के लिए लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संक्षिप्त विज्ञापन जारी किया है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 20 नवंबर 2026 से आवेदन कर सकेंगे, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2026 की शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार स्पेशल एजुकेटर के 38 पदों पर भर्ती के लिए विस्तृत विज्ञापन विभागीय वेबसाइट https://eduportal.cg.nic.in/ पर उपलब्ध कराया गया है। आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में व्यक्तिगत रूप से अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं । आवेदन पत्र कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर एवं सरगुजा में जमा किए जा सकेंगे। सभी कार्यालयीन दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

परंपरागत धान की खेती से उन्नत सब्जी उत्पादन की ओर बढ़े कदम, रूकमणी नाग की बढ़ी आमदनी'

- **'मल्चिंग एवं ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाकर खेती को बनाया लाभ का जरिया'**



नारायणपुर। खेती-किसानी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला है। किसानों की मेहनत और आधुनिक कृषि तकनीकों का समन्वय खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शासन द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में नारायणपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत एड़का की निवासी श्रीमती रूकमणी नाग पति दीनानाथ नाग ने परंपरागत धान की खेती के साथ-साथ उन्नत तकनीक से सब्जी उत्पादन को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाने की पहल की है। आज उनकी यह पहल अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक बन रही है। रूकमणी नाग पहले परंपरागत तरीके से धान की खेती करती थीं। खेती-किसानी उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन थी, लेकिन केवल धान की खेती पर निर्भर रहने के कारण उन्हें अपेक्षाकृत कम आर्थिक लाभ मिल पाता था। खेती में मेहनत और समय लगाने के बावजूद परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त आमदनी जुटाना चुनौतीपूर्ण था। सीमित आय के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा था। ऐसे में उन्होंने खेती के माध्यम से अधिक आमदनी प्राप्त करने के नए विकल्पों पर विचार करना शुरू किया।

इसी दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने श्रीमती रूकमणी नाग को उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से परंपरागत खेती के साथ उन्नत तकनीक से सब्जी उत्पादन करने की सलाह दी। विभागीय अधिकारियों ने उन्हें आधुनिक उद्यानिकी पद्धतियों, सब्जियों की खेती के बेहतर तरीकों तथा कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त करने वाली तकनीकों के संबंध में जानकारी दी। अधिकारियों के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से उन्होंने सब्जी उत्पादन की दिशा में कदम बढ़ाने का निर्णय लिया।

श्रीमती रूकमणी नाग ने उद्यानिकी विभाग की सलाह को अपनाते हुए अपने खेत में मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई तकनीक स्थापित कर सब्जियों की खेती प्रारंभ की। आधुनिक तकनीकों को अपनाने से उनके खेती करने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव आया।

मारो के मंत्री ने कर दी नई घोषणा

36 माह में दम तोड़ दी 72 गांव को पानी देने की योजना



बेमेतरा। किसी ने ठीक कहा है कि जब भात मांगने पर मिलने लगे पुलाव, तो समझ जाना आ गया चुनाव, मारो नगर पंचायत में बुधवार को उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगर पंचायत के लोगो को मीठा पानी देने तीस करोड़ की परियोजना की घोषणा की, इससे एक खेमा को तत्काल मीठे पानी का एहसास होने लगा तो दूसरा खेमा सवाल उठा दिया की इससे पहले इसी तरह के चुनाव पूर्व तत्कालीन नगरीय निकाय मंत्री अमर अग्रवाल ने घोषणा की थी पानी तो दूर पाइप भी नगर को नसीब नहीं हुआ यह उसी का पार्ट टू तो नही, जब मीठा पानी देने की योजनाओं को खंगाला गया तो लोगो ने कहा कि शिवनाथ नदी में अमल डीहा का घाट जाकर एक बार योजना को पढ़ लो तस्वीर देख लो समझ आ जाएगा।

काम ठप योजना फेल-कांग्रेस शासनकाल में वर्ष 2023 में 95 करोड़ की लागत से 72 ग्रामों को शुद्ध जल प्रदाय करने शिवनाथ नदी में इंटकवेल निर्माण के लिए भूमिपूजन हुआ, पाइप लाइन बिछाने, गांवों में पानी टंकी निर्माण कार्य शुरू हुआ, लगभग दो साल तक जमीनी कार्य जारी रहा पूर्व कलेक्टर रणवीर शर्मा मिशन के अध्यक्ष होने के नाते मौके का निरीक्षण करने गए, पर गुरुवार को दोपहर को जो तस्वीर देखी गई इससे लगा कि ठेकेदार के कर्मचारी सामग्री की रखवाली कर रहे हैं, कार्य पूरी तरह ठप है, आफद रिकॉर्ड यह जानकारी मिली की भूगतान संकट के चलते यह योजना दम तोड़ दी है, अब लागत बढ़ने एवम अन्य व्यय ने चिंता बढ़ा दी है।

इस कार्य के प्रति विभाग कितना गंभीर है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सूचना बोर्ड में अभी भी दो साल पूराने ईई एवम सब इंजीनियर के नाम दर्ज है ।

चुनावी शिगूफा है

जिला पंचायत सदस्य सुशीला जोशी ने कहा कि बेमेतरा जिले में जल जीवन मिशन फेल है, बूधवार को मंत्री ने वर्ष 2028 तक योजना बताकर बता दिया कि खजाना खाली है जब तीस लाख की योजना पूरी नही हो पा रही है तो तीस करोड़ का क्या होगा समझा जा सकता है, तीन साल में अब तक दोनो योजनाओं को कोई झांकने तक नहीं गया यह सभी को पता है, जोशी ने कहा कि पी एच ई के ठेकेदार अधोवस्त्र में प्रदर्शन किए यह जल जीवन मिशन की जमीनी हकीकत बताने के लिए पर्याप्त है। मारो में चुनाव है सब इसी का दांव है। जब ईई पी एच ई जे पी गोड से इस संबंध में जानकारी लेने काल किया गया तो वे बोले अभी उच्च कार्यालय आया हूं।

संक्षिप्त समाचार

सहकारी समिति का निर्वाचन कार्यक्रम जारी

बिलासपुर। नवजागरण प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार मर्यादित बिलासपुर का निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार 25 नवंबर को नामांकन पत्रों की प्राप्ति, 2 दिसंबर को आमसभा आहूत की जाएगी तथा 11 दिसंबर को अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा अन्य प्रतिनिधि का निर्वाचन कराया जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती :आवेदन 8 दिसम्बर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना मस्तूरी अंतर्गत ग्राम शिवटिकारी के आंगनबाड़ी केंद्र शिवटिकारी 02 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के एक रिक्त पद पर भर्ती के लिए 23 नवम्बर से 8 दिसम्बर 2026 तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। विभागीय वेबसाईट में जाकर ऑनलाईन आवेदन किये जा सकते है। ऑफ्लाईन आवेदन परियोजना कार्यालय में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए आवेदन 27 नवम्बर तक

बिलासपुर। शासकीय महिला आईटीआई कोनी में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं युवतियों को नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके तहत डिजिटल मित्र (कंप्यूटर) कोर्स के लिए कुल 30 सीटों पर प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। प्रशिक्षण की कुल अवधि 240 घंटे निर्धारित की गई है। इच्छुक महिला आवेदक निर्धारित आवेदन प्रारूप में 27 नवंबर 2026 तक अपना आवेदन जमा कर सकती हैं। प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए आवेदिका का न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आवेदन पत्र के साथ 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची, आधार कार्ड, छत्तीसगढ़ निवास प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट साइज फोटो संलग्न करना होगा। इच्छुक महिलाएं अपना आवेदन शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), कोनी, बिलासपुर में जमा कर सकती हैं। सीटों की संख्या सीमित होने के कारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। प्रशिक्षण एवं आवेदन संबंधी अधिक जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक संस्था कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के लिए 72 फील्ड ट्रेनर्स नियुक्त 2 दिसम्बर से दो बैचों में होगा तीन दिवसीय प्रशिक्षण

बिलासपुर। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के तहत जिले में 72 फील्ड ट्रेनर्स नियुक्त किए गए हैं। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ने आदेश जारी कर जिले की विभिन्न तहसीलों और नगरीय निकाय क्षेत्रों के लिए प्रशिक्षकों की जिम्मेदारी तय कर दी है। जनगणना कार्य निदेशालय, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार बिलासपुर, बेलगहना, रतनपुर, कोटा, तखतपुर, सकरी, बेलतरा, सीपत, मस्तूरी, बोदरी, पचपेड़ी और बिल्हा क्षेत्रों के लिए फील्ड ट्रेनर्स नियुक्त किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार पहले बैच का प्रशिक्षण 2 से 4 दिसंबर और दूसरे बैच का प्रशिक्षण 7 से 9 दिसंबर 2026 तक जिला पंचायत सभागार में सवेरे 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण के प्रशिक्षक जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री जी. प्रभाकर गोरे, सहायक प्राध्यापक शासकीय मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय सीपत एवं जनगणना संचालनालय रायपुर के श्री विशाल दीक्षित होंगे। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना के द्वितीय चरण की कार्यप्रणाली, दायित्व और निर्धारित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी।

प्रतापपुर विधायक की जाति पर फिर सियासी बवाल, दीपक बैज ने लगाया फर्जी प्रमाण पत्र का आरोप

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के जाति प्रमाण पत्र को लेकर एक बार फिर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने विधायक पर कथित फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव लड़ने का आरोप लगाते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। दरअसल, प्रतापपुर के ग्राम गोटगवां में कांग्रेस की ओर से 'वोट बचाओ, देश बचाओ' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए दीपक बैज ने कहा कि प्रतापपुर विधायक के जाति प्रमाण पत्र का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र के लोग भी इस मामले को लेकर लड़ाई लड़ रहे हैं और राज्य स्तर पर संबंधित दस्तावेज वापस आ चुके हैं। बैज ने आरोप लगाया कि फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर जनता को गुमराह किया गया है। उन्होंने लोगों से ऐसे मामलों में सतर्क रहने की अपील की। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। इनमें प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित पार्टी के अन्य नेता शामिल थे। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र दुबे के निवास पर किया गया था। गौरतलब है कि प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के जाति प्रमाण पत्र से जुड़ा मामला न्यायालय में लंबित है। इसी बीच दीपक बैज के बयान ने प्रदेश की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। उनका यह बयान अब सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, जाति प्रमाण पत्र को लेकर अंतिम स्थिति न्यायिक प्रक्रिया के फैसले से ही स्पष्ट होगी।

छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में बिलासपुर जिले के वरिष्ठ स्काउटर-गाइडर एवं पदाधिकारी सम्मानित

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ का एक दिवसीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह रायपुर में आयोजित किया

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के.के. खंडेलवाल ने छत्तीसगढ़ राज्य में स्काउटिंग गतिविधियों के विस्तार, संगठनात्मक मजबूती और विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। उन्होंने संगठन को भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए स्काउटिंग की मूल भावना, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तथा युवाओं में सेवा और नेतृत्व के गुण विकसित करने पर विशेष जोर दिया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ द्वारा गुरुवार, 19 नवंबर को रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज सभागार में एक दिवसीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के.के. खंडेलवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में डॉ. खंडेलवाल ने खरगोश और कछुए की कहानी के माध्यम से लक्ष्य प्राप्ति, निरंतर प्रयास और धैर्य का संदेश रोचक अंदाज में दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और युवाओं को सेवा एवं नेतृत्व के अवसर प्रदान करना स्काउटिंग के विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद अशोक अर्गल, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा तथा नेशनल ट्रिब्यून के संपादक एवं हरियाणा बीएसजी के उपाध्यक्ष नरेश कौशल उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने की। उन्होंने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि भारत



स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ निरंतर नए आयाम स्थापित कर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने राज्य में संचालित विभिन्न स्काउटिंग गतिविधियों की जानकारी भी साझा की। इस अवसर पर राष्ट्रीय निदेशक अमर बी. छेत्री, राज्य उपाध्यक्ष विजय केसरवानी एवं कार्तिकेश्वर स्वर्णकार, राज्य मुख्यालय आयुक्त रविश गुप्ता तथा रायपुर जिला अध्यक्ष जी. स्वामी और कोऑर्डिनेटर मोहम्मद सादिक शेख मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन राज्य आयुक्त (रोवर) अशोक देशमुख ने किया तथा आभार प्रदर्शन राज्य सचिव अमित क्षत्रिय ने किया। बिलासपुर जिले के स्काउटर-गाइडर हुए सम्मानित - समारोह में बिलासपुर जिले के वरिष्ठ स्काउटर-गाइडर एवं पदाधिकारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और संगठन के प्रति योगदान के लिए विभिन्न पुरस्कारों एवं सम्मान से नवाजा गया। दीर्घ अलंकरण पुरस्कार से संयुक्त राज्य सचिव श्रीमती बीना यादव को सम्मानित किया गया। वहीं श्रीमती आरती राय एवं डॉ. नवनीत कौशिक को बेसिक कमिश्नर प्रमाण पत्र एवं पार्चमेंट प्रदान किया गया। श्री संतोष कुमार त्रिपाठी तथा श्री भूपेन्द्र शर्मा (ए.एल.टी. रोवर स्काउट लीडर) को प्रमाण पत्र, बिट्स एवं ऑनरेबल चार्ज देकर सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में उतरने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को तीन लाख रुपए तक की सहायता

बिलासपुर। ओलंपिक, विश्व कप, एशियाड और राष्ट्रमंडल खेलों जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को यात्रा खर्च और उच्च गुणवत्ता वाले खेल उपकरणों के लिए तीन लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पात्र खिलाड़ियों से आवेदन मंगाए हैं। योजना में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए यात्रा व्यय और खेल उपकरणों पर होने वाले वास्तविक खर्च अथवा अधिकतम तीन लाख रुपए, दोनों में से जो राशि कम होगी, वह प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। पात्र खिलाड़ियों से इसके लिए 30 नवम्बर तक आवेदन मंगाए गए हैं। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने और आवश्यक खेल संसाधन जुटाने के लिए वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने योजना में खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए यात्रा व्यय के साथ खेल उपकरणों की जरूरतों को भी शामिल किया है। खेल उपकरणों के लिए खिलाड़ी द्वारा मांगी गई राशि या संबंधित उपकरण के बाजार मूल्य में से जो राशि कम होगी, वही मान्य होगी। इस सहायता का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना और उनकी खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है। छत्तीसगढ़ का मूल निवासी और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करना अनिवार्य- योजना का लाभ लेने के लिए खिलाड़ी का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना और संबंधित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य की ओर से प्रतिनिधित्व करना अनिवार्य है। एक खिलाड़ी को एक वित्तीय वर्ष में केवल एक बार प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने संबंधी प्रमाण पत्र एवं चयन पत्र प्रस्तुत करना होगा। यात्रा व्यय की गणना वास्तविक यात्रा टिकट तथा संबंधित प्रमाणों के आधार पर की जाएगी। खेल उपकरणों के लिए अभिप्रमाणित कोटेशन और सामग्री की दरों का विवरण देना अनिवार्य है। खिलाड़ियों को आवेदन पत्र में अपना नाम, माता-पिता का नाम, जन्मतिथि, आयु, लिंग, खेल का नाम, स्थायी एवं वर्तमान पता, संपर्क विवरण तथा बैंक खाते की जानकारी देनी होगी।

शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की लेटलतीफी पर कसा शिकंजा

- स्कूल खुलने से पहले पहुंचेगी निरीक्षण टीम
- जवाबदेह बीईओ और प्राचार्यों का भी रोका जाएगा वेतन

कोरबा। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग ने सख्ती बरतने की तैयारी की है। अब स्कूल खुलने से पहले ही निरीक्षण टीम अलग-अलग क्षेत्रों के लिए रवाना हो जाएगी। विकासखंड स्तर पर पांच निरीक्षण दलों का गठन किया जा रहा है, जो नियमित रूप से स्कूलों का औचक निरीक्षण करेंगे। इस दौरान शिक्षकों की उपस्थिति के साथ ही कक्षाओं में अध्यापन की स्थिति भी जांची जाएगी। निर्धारित समय पर स्कूल नहीं पहुंचने वाले शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में शिक्षकों के देर से पहुंचने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। स्थिति यह है कि कई बार विद्यार्थी समय पर स्कूल पहुंच जाते हैं, लेकिन शिक्षकों के नहीं आने से उन्हें इंतजार करना पड़ता है। कुछ स्कूलों में प्रार्थना के समय तक ताला लटका रहने की शिकायतें भी मिली हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्कूलों में पहले से ही संसाधनों और शिक्षकों की कमी है। वहीं, अतिथि शिक्षकों की भर्ती भी शिक्षा सत्र शुरू होने के करीब ढाई माह बाद हुई। इसके कारण विद्यार्थियों को अधूरे पाठ्यक्रम के साथ तिमाही परीक्षा देनी पड़ी।अब एक दिसंबर से प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी स्कूलों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग का जोर शेष पाठ्यक्रम समय पर पूरा कराने और परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने पर है। इसके लिए नियमित निरीक्षण के साथ अध्यापन व्यवस्था की निगरानी की जाएगी। पूर्व में भी विभाग ने औचक निरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन नियमित निगरानी नहीं होने से व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका। जनदर्शन सहित अन्य माध्यमों से अभिभावकों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

निबंध और क्विज से दिया मतदाता जागरूकता का संदेश,198 संस्थाओं के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

निबंध में 5,184 और क्विज में 5,049 विद्यार्थियों की सहभागिता

जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मिले प्रमाणपत्र

बिलासपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों और महाविद्यालयों में मतदाता जागरूकता के लिए निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। निर्वाचन साक्षरता क्लबों के माध्यम से 2 से 20 नवंबर तक आयोजित इन प्रतियोगिताओं में जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों की कुल 198 शिक्षण संस्थाओं ने हिस्सा लिया। निबंध प्रतियोगिता में 5,184 और क्विज प्रतियोगिता में 5,049 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रकार दोनों प्रतियोगिताओं में कुल 10,233 सहभागिताएं दर्ज हुईं। प्रतियोगिताओं में कोटा विधानसभा क्षेत्र की 26, तखतपुर की 29, बिल्हा की 31, बिलासपुर की



18, बेलतरा की 43 और मस्तूरी की 51 संस्थाएं शामिल हुईं। संस्थागत स्तर के बाद विधानसभा एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, निर्वाचन प्रक्रिया और लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। जिला स्तर पर प्रतिभागियों की प्रतिभा का मूल्यांकन कर परिणाम घोषित किए गए तथा प्रमाणपत्र जारी किए गए। जिला स्तरीय निबंध और क्विज प्रतियोगिता आज बिलास कन्या कॉलेज में सम्पन्न हुई।जिसमें निबंध प्रतियोगिता में श्वेता अनंत, दीप्ति अनंत एवं प्रियांशी कोरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उर्वशी पाण्डेय द्वितीय रहीं। आयान निगम, चिरंजीवी, गौरव राठौर एवं आयुषी यादव ने तृतीय तथा निशा सारथी एवं अवधेश प्रताप साहू ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में अंजली कश्यप, आरव राव, आंचल राव, गीता यादव, पिंकी साहू एवं खुशबू पात्रे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बलराम साहू द्वितीय रहे, जबकि स्वांती यादव, आफरीन खातून एवं करण ध्रुव ने तृतीय स्थान हासिल किया। इन आयोजनों से विद्यार्थियों

सफलता की कहानी-डिजिटल सुविधा से धान विक्रय हुआ आसान,किसानों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार



- किसान तुहर टोकन ऐप बना किसानों का सहारा, घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सुगमता से बेच रहे धान

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई डिजिटल सुविधाएं किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही हैं। किसान तुहर टोकन ऐप के माध्यम से किसान अब घर बैठे ही धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर रहे हैं और निर्धारित खरीदी केंद्रों में आसानी से अपनी उपज बेच रहे हैं। इसी कड़ी में पेंड्रा के किसान श्री कौशल कुमार ने किसान तुहर टोकन ऐप के माध्यम से घर बैठे ही धान विक्रय के लिए ऑनलाइन टोकन कटवाया। उन्हें टोकन प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। इसके पश्चात उन्होंने पेंड्रा धान खरीदी केंद्र में 14 क्विंटल 40 किलोग्राम धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। ऑनलाइन टोकन की सुविधा से उनका समय बचा और धान बेचने की प्रक्रिया भी सहज रही। इस सुविधा के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। इसी तरह मरवाही के किसान श्री राजेश यादव ने भी मोबाइल के माध्यम से आसानी से ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया। उन्होंने धान उपार्जन केंद्र मरवाही में अपनी 82 क्विंटल धान का सुगमतापूर्वक विक्रय किया। ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से उन्हें धान विक्रय में काफी सहूलियत मिली। इस सरल और सुविधाजनक व्यवस्था के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी को धन्यवाद दिया। छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी पहल और डिजिटल व्यवस्था से धान खरीदी प्रक्रिया अधिक सुगम और सुविधाजनक बन रही है। किसान तुहर टोकन ऐप के माध्यम से किसानों को घर बैठे टोकन की सुविधा मिल रही है, जिससे उन्हें अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल रही है। किसानों की सुविधा, उनकी उपज का सम्मान और उनकी समृद्धि के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सरकार की धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए नई सहूलियत और विश्वास का माध्यम बन रही है।

धान बेचने से वंचित नहीं होगा कोई पात्र किसान अभियान चलाकर दुरुस्त किए जा रहे रिकॉर्ड.....

- कलेक्टर के निर्देश पर पूरे जिले में रकबा संबंधी त्रुटियों का सुधार जारी; पौंसरा और सेमरताल के 810 किसानों की समस्याओं का निराकरण

बिलासपुर। धान खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन में रकबा शून्य दिखने, रकबा कम होने अथवा धान के स्थान पर अन्य फसल दर्ज होने की शिकायतों को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर पूरे जिले में अभियान चलाकर रिकॉर्ड दुरुस्त किए जा रहे हैं। मैदानी स्तर पर सत्यापन के साथ त्रुटियों का निराकरण किया जा रहा है, ताकि वास्तविक रकबे के अनुरूप किसान अपना धान बेच सकें। सुधार कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा और कोई भी पात्र किसान धान बेचने से वंचित नहीं होगा। इसी क्रम में पौंसरा एवं सेमरताल धान उपार्जन केंद्रों के कुल 1,128 प्रभावित किसानों में से 810 किसानों की समस्याओं का निराकरण कर लिया गया है। शेष 318 किसानों के प्रकरणों में भौतिक सत्यापन एवं आवश्यक तकनीकी सुधार की कार्रवाई जारी है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलासपुर के निर्देशन में राजस्व अमला और सेवा सहकारी समितियों के कर्मचारी समन्वय से सुधार कार्य में जुटे हैं।पौंसरा धान उपार्जन केंद्र में तहसीलदार बेलतरा द्वारा मौके पर जांच की गई। यहां रकबा संबंधी समस्या से प्रभावित 714 किसानों में से 484 किसानों के रिकॉर्ड में



सुधार पूरा कर लिया गया है। शेष 230 किसानों के प्रकरणों में राजस्व निरीक्षक, सेवा सहकारी समिति एवं अन्य कर्मचारियों के सहयोग से भौतिक सत्यापन कर निराकरण किया जा रहा है। ग्राम पौंसरा के किसान श्री गोकुल प्रसाद सोनवानी की समस्या का भी तत्काल समाधान किया गया। सेमरताल धान उपार्जन केंद्र में अतिरिक्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार ने समिति स्तर पर जांच कर 414 प्रभावित किसानों में से 326 किसानों की समस्याओं का निराकरण किया है। शेष 88 किसानों के प्रकरणों का भौतिक सत्यापन जारी है। जांच के दौरान किसान श्री अनिरुद्ध वर्मा से भी चर्चा की गई, जिन्होंने अपनी समस्या का तत्काल निराकरण होने की जानकारी दी। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने निर्देश दिए हैं कि किसानों की शिकायतों का प्राथमिकता से परीक्षण कर रिकॉर्ड में आवश्यक सुधार सुनिश्चित किया जाए। जिन प्रकरणों में शासन स्तर पर तकनीकी सुधार अपेक्षित है, उन्हें निर्धारित प्रारूप में सत्यापन सहित भेजने की कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि रिकॉर्ड संबंधी त्रुटियों का शीघ्र समाधान हो और पात्र किसान सुविधापूर्वक अपना धान बेच सकें।

अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर सोनम कपूर फिर चर्चा में

अभिनेत्री सोनम कपूर एक बार फिर अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में 17 नवंबर को आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर उन्होंने भारतीय कला और विरासत का खूबसूरत संगम पेश किया। सोनम ने इस खास मौके पर ऐसी पोशाक पहनी, जिसका कनेक्शन करीब 90 साल पुरानी एक पेंटिंग से है। उनकी साड़ी मशहूर भारतीय चित्रकार अमृता शेरगिल की साल 1936 में बनाई गई एक कलाकृति से प्रेरित थी।



डिजाइनर अनामिका खन्ना ने इस ऐतिहासिक कलाकृति को आधुनिक फैशन का रूप दिया, जबकि सोनम की बहन रिया कपूर ने उनके पूरे लुक को स्टाइल किया। सोनम कपूर ने इस कार्यक्रम में गहरे हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने लंबे झुमके और पश्चिमी अंदाज का खास कोट कैरी किया। उनका यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिक फैशन का अनूठा मेल नजर आया। इस पोशाक के पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, अमृता शेरगिल ने साल 1936 में अपने चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का एक चित्र बनाया था। इसी पेंटिंग से प्रेरणा लेकर अनामिका खन्ना ने सोनम के लिए यह विशेष पोशाक तैयार की। रिया कपूर ने सोशल मीडिया पर इस लुक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमृता शेरगिल आधी भारतीय और आधी हंगेरियन थीं। उन्होंने पेरिस में कला की शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किया था। हालांकि, बाद में भारत उनके जीवन और कला की प्रेरणा का प्रमुख केंद्र बन गया। अमृता की तरह उनके चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का जीवन भी दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बीता था। उनका पालन-पोषण पटियाला में हुआ था और उन्हें पश्चिमी पहनावे का भी शौक था। बाद में उन्होंने पेरिस में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एल्सा शियापारेली के लिए मॉडलिंग भी की थी। अमृता शेरगिल ने अपने चित्र में सुमेर को गहरे हरे रंग की साड़ी पहने दिखाया था। उनके हाथ में सफेद फूलों का एक गुच्छा भी नजर आता है। इसी ऐतिहासिक चित्र की रंगत और शैली को ध्यान में रखते हुए अनामिका खन्ना ने सोनम का लुक तैयार किया। इस विशेष पोशाक में शुद्ध शिफॉन की साड़ी का इस्तेमाल किया गया है। साड़ी पर हरे रंग के अलग-अलग शेड्स हाथ से पेंट किए गए हैं।



शरवरी के देसी लुक ने उड़ाए होश

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ अपने दमदार अभिनय के साथ-साथ अपने लाजवाब फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। इन दिनों वे सूरज बड़जात्या की आगामी पारिवारिक फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के मौके पर शरवरी ने एक ऐसा ट्रेडिशनल अवतार धारण किया, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही छा गईं। शरवरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस खास फोटोशूट की कई तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनकी खूबसूरती, नजाकत और ग्लैमर का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। शरवरी ने मशहूर डिजाइनर इकबाल हुसैन के कलेक्शन से एक बेहद खूबसूरत मल्टीकलर जरदोजी एम्ब्रॉयडरी वाला लहंगा सेट पहना है। जमावर, सिल्क और सॉफ्ट नेट के बेहतरीन मेल से बने इस लहंगे पर बारीक जरदोजी, सीक्विन, मरोरी, कामदानी और रंग-बिरंगे धागों की शानदार कारीगरी की गई है। लहंगे की स्कर्ट में एमराल्ड ग्रीन और ब्राइट ऑरेंज रंग की कलियों का बेहद आकर्षक तालमेल है, जिस पर फ्लोरल पैटर्न उकेरे गए हैं। पारंपरिक पहनावे में बोल्ड और मॉडर्न ट्विस्ट जोड़ने के लिए शरवरी ने रानी पिंक रंग की हेवी एम्ब्रॉयडरी वाली चोली पहनी है। इस ब्लाउज की डीप वी-नेकलाइन और मेहंदी-हरे रंग की प्रिंटेड आस्तीनें उनके लुक को बेहद आकर्षक बना रही हैं। वहीं, पीछे की ओर से ब्लाउज में दिया गया बड़ा राउंड बैकलेस कट और सुनहरे लटकन उनके इस देसी अवतार में ग्लैमर और हॉटनेस का तड़का लगा रहे हैं। इसके साथ उन्होंने मैरून रंग का शीयर नेट दुपट्टा कंधे पर बेहद सलीके से ड्रेप किया है, जिसके किनारों पर सुनहरी और हरी गोटा-पट्टी का काम है। अपने इस हैवी आउटफिट को संतुलित रखते हुए शरवरी ने एंटीक सिल्वर और कुंदन की स्टेटमेंट ज्वेलरी का चुनाव किया है।

महात्मा गांधी बनकर पर्दे पर छाएंगे मनोज बाजपेयी

सुधीर मिश्रा द्वारा डायरेक्टेड और अनुभव सिन्हा द्वारा प्रोड्यूस फीचर फिल्म की जबसे घोषणा हुई है, तब से प्रोजेक्ट के इर्दगिर्द दर्शकों का उत्साह बढ़ता हुआ देखने मिल रहा है। यह कहानी भारत की आजादी के पहले की है, उन 21 दिनों की जिसके बारे में शायद ही कोई जानता है। फिल्म में महात्मा गांधी का किरदार नेशनल अवॉर्ड विनर मनोज बाजपेयी पहली बार निभाते नजर आने वाले हैं। अब जब फैंस बेसब्री से बापू के किरदार में एक्टर को देखने का इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में उनकी एक तस्वीर ऑनलाइन लीक हुई है।



तस्वीर में मनोज बाजपेयी कभी न देखे गए लुक में देखे जा सकते हैं। मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग ऑफिशल तौर से पूरी करते हुए, एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। फिल्म की शूटिंग पूरी होते ही, इसके इर्द-गिर्द मौजूद एक्साइटमेंट भी दोगुनी हो गई है। महात्मा गांधी के किरदार में कदम रखना कोई आसान काम नहीं था और मनोज बाजपेयी ने इसके साथ न्याय करने के लिए अपनी जीजान लगा दी है। एक्टर जिस भी किरदार को निभाते हैं, उसमें पूरी तरह से खुद को ढाल लेने के लिए जाने जाते हैं।

नवाजुद्दीन के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया दीया मिर्जा ने

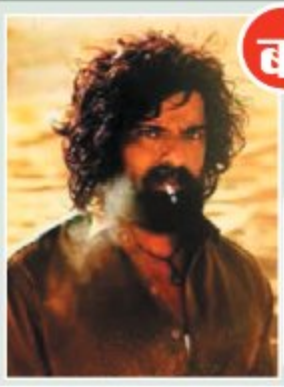
अभिनेत्री दीया मिर्जा की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने मनोरंजन जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया है। दीया की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों को लेकर बहस शुरू हो गई है। जहां कुछ लोग अभिनेत्री के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उनकी पोस्ट को किसी नए प्रोजेक्ट का प्रचार और प्रचार रणनीति बता रहे हैं। दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा किया। इसमें उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के व्यवहार पर नाराजगी जाहिर की। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में अभिनेता को





टैग करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना एक बुरे सपने जैसा अनुभव रहा। उन्होंने अभिनेता के बातचीत करने के तरीके और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उन्हें बेहद आपत्तिजनक व्यक्ति बताया। अभिनेत्री की इस टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया। हालांकि, दीया मिर्जा ने अपनी पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के किस व्यवहार से परेशानी हुई और यह अनुभव किस फिल्म या परियोजना से जुड़ा है।

अब टाइगर श्रॉफ से भिड़ेगा 'मिर्जापुर' का ये एक्टर



बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ कार्डियक अरेस्ट की घटना के बाद एक बार फिर अपने काम पर लौट आए हैं. इस घटना के बाद उनके फैन्स और करीबी लोग काफी परेशान थे. लेकिन टाइगर श्रॉफ ने खुद को संभालते हुए अपने कमिटमेंट्स को प्रायोरिटी दी है. और लेट पर वापसी की. काम पर लौटने के साथ ही यह भी साफ हो गया है कि उनके खाते में इस साल कई बड़ी फिल्में हैं, जिन पर वो तेजी से आगे बढ़ रहे हैं. अब वाशी टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म 'बड़' की है. जिसमें 'मिर्जापुर द मूवी' में बिरजू लोहार के किरदार में दिखे मोहित मलिक की एंट्री हो गई है.

दरअसल मोहित मलिक ने 'मिर्जापुर द मूवी' में शानदार काम किया था, जिसके लिए उनकी काफी तारीफ भी हो गई. हाल ही में मिड डे पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि अब 'बड़' में मोहित मलिक एक और दमदार किरदार निभाने के लिए तैयार हैं. बताया जा रहा है कि राम माधवानी इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं. जबकि, महावीर जैन इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं. वहीं, मोहित मलिक टाइगर श्रॉफ के सामने विलेन का रोल निभाएंगे.



'रामायण' पर भड़के महाभारत के 'कृष्ण'

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुचर्चित फिल्म 'रामायण: पार्ट 1' बॉक्स ऑफिस पर भले ही कमाई के नए कीर्तिमान गढ़ रही हो, लेकिन फिल्म में किरदारों के चित्रण को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस बहस में बीआर चोपड़ा के ऐतिहासिक धारावाहिक 'महाभारत' में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभाकर अमर हुए दिग्गज अभिनेता नीतीश भारद्वाज भी कूद पड़े हैं। नीतीश भारद्वाज ने फिल्म की कड़ी आलोचना करते हुए इसे एक खास "एजेंडा के तहत बनाई



गई फिल्म" करार दिया है और सरकार से इसकी फंडिंग की जांच करने की मांग की है।

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म की रिलीज से पहले जब 'रामायण' का ट्रेलर सामने आया था, तब नीतीश भारद्वाज ने इसकी जमकर तारीफ की थी।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन मेष राशि के जातकों के लिए खर्चीला रहने वाला है। आप अपने खर्चों को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। पारिवारिक जीवन में किसी बात को लेकर जीवनसाथी के साथ कहासुनी हो सकती है। आज आपको अपनी मां से किया हुआ कोई वादा पूरा करना होगा। काफी समय बाद आपकी मुलाकात किसी पुराने मित्र से होगी, जिससे आप अपने मन की बात कह सकते हैं।

वृषभ राशि - आज का दिन वृषभ राशि के जातकों के लिए उलझन वाला रहेगा। लेकिन अच्छी बात यह है कि भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपका काम आसानी से पूरा होगा। परिजनों का भरपूर सहयोग मिलता रहेगा। आप अपने किसी काम में भाइयों से मदद मांग सकते हैं और उनसे सहयोग भी मिलेगा।

मिथुन राशि - आज का दिन मिथुन राशि के जातकों के लिए लाभकारी रहेगा। आपका कोई महत्वपूर्ण काम जीवनसाथी के सहयोग से पूरा होगा। कमाई में भी वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यक्रमों में पूरी रुचि लेंगे, जिससे मान-सम्मान बढ़ेगा और कोई पुरस्कार मिलने से प्रसन्न होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ किसी मनोरंजक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

कर्क राशि - आज कर्क राशि के जातकों के लिए दिन खुशनुमा रहेगा। एक के बाद एक अच्छी खबरें सुनने को मिलेंगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अगर आप कोई नया वाहन खरीदने की योजना बना रहे थे, तो आपकी यह चाहत आज पूरी होगी। आपका कोई कानूनी काम किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से पूरा होगा।

सिंह राशि - सिंह राशि के सितारे कहते हैं कि आज आपका कोई काम साझेदारों की मदद से पूरा होगा। जो लोग साझेदारी में कोई काम शुरू करना चाह रहे हैं, उनके लिए भी दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी पर भी बहुत सोच-समझकर भरोसा करें, नहीं तो धोखा मिल सकता है। किसी डील में अच्छा मुनाफा मिलेगा। परिवार को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं।

कन्या राशि - आज का दिन कन्या राशि के जातकों के लिए बहुत ही लाभकारी रहेगा। ऑनलाइन काम करने वाले लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में अपने काम के लिए तारीफ मिलेगी। आर्थिक मामलों में भी दिन लाभकारी रहेगा और आमदनी में वृद्धि होगी। अगर कोई महत्वपूर्ण काम अटका हुआ है, तो वह आज पूरा हो सकता है। जो लोग नौकरी बदलने के लिए प्रयासरत हैं, उन्हें किसी मित्र की मदद मिलेगी। लव लाइफ में प्रेमी की भावनाओं को समझना होगा।

तुला राशि- आपके लिए आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा और बिजनेस में अच्छी डील मिलेगी। जो लोग राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत हैं, उन्हें कोई बड़ा अवसर मिल सकता है। परिवार में चल रही कोई उलझन आज सुलझ सकती है।

वृश्चिक राशि - आज का दिन वृश्चिक राशि वालों के लिए मिला-जुला रहने वाला है। नौकरी करने वाले लोगों पर काम का अधिक दबाव रहेगा, जिससे मानसिक परेशानी महसूस करेंगे। अचानक से कई काम आ सकते हैं, जिससे चिंता और परेशानी हो सकती है। विदेश में रहने वाले परिवार के किसी सदस्य से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

धनु राशि- आज का दिन धनु राशि के जातकों के लिए अनुकूल रहेगा। लव लाइफ में पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताएंगे। भाइयों के साथ किसी गलतफहमी के कारण रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है। अपनी चतुर बुद्धि का प्रयोग करके कार्यक्षेत्र में शत्रुओं को आसानी से परास्त कर पाएंगे। बिजनेस में प्रतिस्पर्धियों को मात देने में सफल होंगे।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। सामाजिक क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को कोई लाभकारी अवसर मिलेगा और परिवार में सम्मान बढ़ेगा। यदि किसी मित्र के साथ कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो धैर्य से काम लें। कोई बात परेशान कर रही है, तो माता-पिता के सामने रखें, बेहतर समाधान मिलेगा।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के लिए सितारे कहते हैं कि आज का दिन खुशनुमा बीतेगा। जीवनसाथी से भरपूर सहयोग और सानिध्य मिलेगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अधिक तले-भुने भोजन से बचें, अन्यथा पेट दर्द आदि की समस्या परेशान कर सकती है। बिजनेस करने वाले लोग पार्टनर के साथ छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन राशि-आज का दिन मीन राशि के जातकों के लिए अनुकूल रहेगा। कई चिंताओं से मुक्ति मिलेगी और किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास मजबूत होगा। कुछ नया करने की कोशिश कर रहे हैं, तो वह आज पूरा हो सकता है। पारिवारिक रिश्तों में आई दरार को सुलझाने में सफल रहेंगे।

घर में मनी प्लांट लगाने की सही दिशा और नियम

जानिए वास्तु के अनुसार कहां रखना होता है शुभ

हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि घर में लगे पौधे न केवल वातावरण को सुंदर बनाते हैं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा से भी जुड़े होते हैं। इन्हीं पौधों में मनी प्लांट को विशेष महत्व दिया जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को धन, सुख-समृद्धि और आर्थिक उन्नति का प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि कई लोग इसे अपने घर, ऑफिस और कार्यस्थल पर लगाना पसंद करते हैं। हालांकि, वास्तु मान्यताओं के अनुसार मनी प्लांट लगाने के लिए सही दिशा और कुछ नियमों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।



■ उत्तर-पूर्व दिशा में लगाने से बचें

वास्तु मान्यताओं के अनुसार मनी प्लांट को उत्तर-पूर्व दिशा में लगाने से बचना चाहिए। इस दिशा को ईशान कोण कहा जाता है और इसका संबंध गुरु ग्रह से माना जाता है। वास्तु के अनुसार इस दिशा में मनी प्लांट लगाने को अनुकूल नहीं माना जाता।

■ पौधे की बेल जमीन पर न फैलने दें

मनी प्लांट की बेल को हमेशा ऊपर की ओर बढ़ने के लिए सहारा देना चाहिए। वास्तु शास्त्र में इसकी बेल का नीचे की ओर लटकना शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि ऊपर की ओर बढ़ती बेल तरक्की और उन्नति का प्रतीक होती है।

■ घर के मुख्य द्वार के पास रखें ध्यान

कुछ वास्तु मान्यताओं के अनुसार मनी प्लांट को घर के प्रवेश द्वार के आसपास रखना शुभ माना जाता है। हालांकि, इसे ऐसी जगह रखना चाहिए जहां पौधे को पर्याप्त रोशनी मिल सके और उसकी बेल को बढ़ने के लिए उचित सहारा मिले।

■ मनी प्लांट लगाने की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट लगाने के लिए दक्षिण-पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण को शुभ माना जाता है। इस दिशा के स्वामी भगवान गणेश और प्रतिनिधि ग्रह शुक्र माने जाते हैं। मान्यता है कि इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से घर में सुख-समृद्धि और आर्थिक खुशहाली आती है।



■ सही गमले में लगाएं मनी प्लांट

मनी प्लांट को कांच की बोतल, मिट्टी या सजावटी गमले में लगाया जा सकता है। वास्तु के अनुसार हरे या नीले रंग के गमले को इसके लिए अच्छा माना जाता है। पौधे को साफ-सुथरी जगह पर रखना चाहिए और पानी को समय-समय पर बदलना चाहिए।

देव दीपावली पर दीपदान का सही तरीका और नियम

देव दीपावली का पर्व सनातन धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है. मान्यता है कि इस दिन देवता पृथ्वी पर आकर दीपावली मनाते हैं. इसी वजह से कार्तिक पूर्णिमा के दिन मंदिरों, गंगा घाटों, घरों और पवित्र जलाशयों के किनारे दीपदान किया जाता है. साल 2026 में देव दीपावली 24 नवंबर, मंगलवार को मनाई जाएगी. इस दिन दीप जलाकर भगवान शिव, भगवान विष्णु और अन्य देवी-देवताओं की पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है. आइए जानते हैं, देव दीपावली पर दीपदान के लिए मिट्टी और आटे दोनों तरह के दीपक में किसका इस्तेमाल ज्यादा किया जाता है.



देव दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाना क्यों शुभ है?

देव दीपावली पर मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा काफी पुरानी है. मिट्टी को प्रकृति का हिस्सा और पृथ्वी तत्व का प्रतीक माना जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मिट्टी के दीये में तेल या घी डालकर दीप प्रज्वलित करना शुभता, सकारात्मकता और सात्विकता का प्रतीक है. यही कारण है कि कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली जैसे पावन अवसरों पर मिट्टी के दीपकों से घर और मंदिर सजाए जाते हैं. इस दिन मिट्टी के दीये मुख्य रूप से घर के मंदिर, तुलसी के पौधे के पास, आंगन, मुख्य द्वार और पूजा स्थल पर जलाए जाते हैं. अगर कोई व्यक्ति नदी या तालाब के घाट पर दीपदान करता है, तो वहां भी मिट्टी के दीपक इस्तेमाल करना पारंपरिक तरीका माना जाता है. मिट्टी के दीये जलाकर भगवान के प्रति श्रद्धा व्यक्त की जाती है और घर-परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की जाती है.

देव दीपावली पर आटे का दीया कब जलाना चाहिए?

आटे का दीया भी धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है. मान्यता के अनुसार, जब कोई व्यक्ति किसी विशेष मनोकामना, धार्मिक संकल्प या पूजा के उद्देश्य से दीपदान करता है, तो गेहूं के शुद्ध आटे से बने दीपक का इस्तेमाल कर सकता है. इसे सामान्य दीपदान से अलग एक संकल्प आधारित दीपदान माना जाता है. अगर कोई व्यक्ति कर्ज से मुक्ति, रोग से छुटकारा, जीवन की बाधाओं को दूर करने, ग्रह दोष की शांति या किसी विशेष कार्य में सफलता की कामना करता है, तो वह श्रद्धापूर्वक आटे का दीया बनाकर जला सकता है.

देव दीपावली पर कहां-कहां जलाएं दीपक?

देव दीपावली के दिन दीपदान का विशेष महत्व है. इस दिन घर के अलग-अलग स्थानों पर दीपक जलाकर वातावरण को पवित्र और प्रकाशमय बनाया जाता है. घर के मंदिर में भगवान के सामने दीपक जलाना, तुलसी के पास दीपदान करना, मुख्य द्वार पर दीपक रखना और आंगन में दीप सजाना शुभ माना जाता है. इसके अलावा, पवित्र नदियों और सरोवरों के घाटों पर दीपदान करने की भी परंपरा है. खासकर गंगा घाटों पर देव दीपावली के दिन हजारों दीप जलाए जाते हैं, जिससे घाटों का दृश्य बेहद सुंदर और भव्य हो जाता है. अगर आप घर पर ही दीपदान कर रहे हैं, तो पूजा स्थल और घर के स्वच्छ हिस्सों में दीपक जलाकर भगवान से सुख-समृद्धि की प्रार्थना कर सकते हैं.



हर 10 में से 1 शख्स खा रहा वजन घटाने की दवा

शराब पर खर्च भी घटा



ब्रिटेन में वजन घटाने वाली दवाओं का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है. अब देश के करीब हर 10 में से एक घर में कम से कम एक व्यक्ति ऐसी दवा ले रहा है. ये खुलासा एक नई स्टडी में हुआ है. रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रेट ब्रिटेन के 8.5 फीसदी घरों में कोई न कोई सदस्य वजन घटाने वाली दवा का इस्तेमाल कर रहा है. फरवरी 2026 में यह आंकड़ा 6.3 फीसदी था, जो महज छह महीने में बढ़कर अगस्त में 8.5 फीसदी पहुंच गया. यानी लोगों के बीच इन दवाओं की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है. सर्वे के अनुसार, अगस्त तक करीब 26 लाख वयस्क वजन घटाने वाली दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे. फरवरी के मुकाबले यह संख्या लगभग 7 लाख ज्यादा है. इस बढ़ते चलन के पीछे कई वजहें बताई जा रही हैं. इनमें दवाओं का आसानी से उपलब्ध होना, इंजेक्शन के बजाय गोली का विकल्प मिलना और पुरुषों में इन दवाओं को लेकर बढ़ती दिलचस्पी शामिल है. खास बात यह है कि इन दवाओं का असर अब सिर्फ लोगों के वजन पर नहीं, बल्कि उनके खाने-पीने और रोजमर्रा की खरीदारी पर भी दिखाई देने लगा है. इस स्टडी में यह भी सामने आया है कि वजन घटाने वाली दवाएं लेने वाले लोग पहले के मुकाबले खाने-पीने की चीजों पर कम पैसा खर्च कर रहे हैं. उनकी खरीदारी की आदतों में बदलाव आ रहा है. लोग सुपरमार्केट से कम सामान खरीद रहे हैं और शराब, चिप्स जैसी चीजों पर भी खर्च घटा रहे हैं.

दुर्ग कलेक्ट्रेट परिसर में बनेगी आधुनिक कॉम्पोजिट बिल्डिंग, मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने अधिकारियों के साथ किया भूमि का निरीक्षण

पुराने कलेक्ट्रेट भवन का होगा जीर्णोद्धार, नई कॉम्पोजिट बिल्डिंग में बनेगा अतिरिक्त तल और बेसमेंट पार्किंग

पुनर्विकास योजना के तहत बदलेगी दुर्ग कलेक्ट्रेट की तस्वीर - 300 सीटर मीटिंग हॉल और चारों दिशाओं से होगी एंट्री-एग्जिट



दुर्ग,/ जिला कलेक्ट्रेट परिसर की तस्वीर जल्द ही बदलने जा रही है। पुनर्विकास योजना के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में बनने वाली नवीन प्रस्तावित कॉम्पोजिट बिल्डिंग के लिए चिन्हांकित भूमि का आज स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ हाउसिंग एवं इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड के अपर आयुक्त (प्रक्षेत्र दुर्ग) श्री एच.के. जोशी तथा मंडल के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित भवन के निर्माण, डिजाइन और भविष्य की आवश्यकताओं को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। मंत्री श्री यादव एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रोजेक्ट की प्लानिंग को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। जिन पुराने शासकीय कार्यालयों के भवनों को नए निर्माण के लिए ध्वस्त किया जाना प्रस्तावित है, उनके सुचारू संचालन के लिए नई कॉम्पोजिट बिल्डिंग में एक अतिरिक्त तल का प्रावधान किया जाए, ताकि सभी कार्यालयों को पर्याप्त स्थान मिल सके। वर्तमान पुराने कलेक्ट्रेट भवन की ऐतिहासिकता और उपयोगिता को देखते हुए इसके संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। भविष्य में वाहनों के दबाव को देखते हुए भवन में बेसमेंट पार्किंग के साथ-साथ उपयुक्त कोनों एवं स्थानों पर स्टिल्ट पार्किंग विकसित करने को कहा गया। भवन के चारों ओर सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार सड़क चौड़ीकरण करने तथा चारों दिशाओं से प्रवेश और निकास की व्यवस्था के अनुरूप प्लानिंग तैयार करने के निर्देश दिए गए। प्रस्तावित भवन के मीटिंग हॉल की बैठक क्षमता न्यूनतम 300 व्यक्तियों के अनुरूप रखने और सभी मीटिंग हॉल में उचित ध्वनि नियंत्रण व ध्वनिरोधी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। संपूर्ण भवन की योजना का वास्तु के दृष्टिकोण से परीक्षण कर आवश्यक संशोधन करने के बाद ही अंतिम प्लानिंग तैयार करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने सभाकक्ष में ली राइस मिलर्स की बैठक, चावल जमा कराने और टैगिंग को लेकर दिए सख्त निर्देश



दुर्ग / कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के राइस मिलर्स और संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में धान उठाव, कस्टम मिलिंग के तहत चावल (एफआरके व सामान्य) जमा कराने की प्रगति, गोदामों के भौतिक सत्यापन और टैगिंग व्यवस्था की समीक्षा की गई।

समय सीमा में चावल जमा करने के सख्त निर्देश–कलेक्टर श्री सिंह ने मिलर्स को निर्देश दिए कि दिसंबर माह के आवंटन और परिवहन व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए बकाया लॉट (विशेषकर एफआरके चावल) को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय सीमा (5 दिसंबर तक) में जमा कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने दैनिक आधार पर लॉट जमा करने का लक्ष्य तय करने और उसमें तेजी लाने को कहा।

अनुपस्थित मिलर्स और गोदामों के भौतिक सत्यापन के आदेश–बैठक में अनुपस्थित रहने वाले तथा पर्याप्त टैगिंग होने के बावजूद चावल जमा करने में देरी करने वाले मिलर्स (विशेषकर 500 क्विंटल से अधिक बकाया वाले) पर नाराजगी जताई गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित मिलों और किराए पर लिए गए गोदामों में रखे धान का अगले दो से तीन दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से भौतिक सत्यापन कराया जाए। इस अवसर पर खाद्य नियंत्रक श्री अनुराग भदौरिया, जिला विपणन अधिकारी श्री राहुल कुमार सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

पवन जन्मदिन धूमधाम से मनाया



गाजीपुर द्य मानव उत्थान सेवा समिति श्री हंस योग आश्रम गाजीपुर के तत्वाधान में मानव धर्म की प्रणेता प्रख्यात समाजसेवी सतगुरु देव श्री सतपाल जी महाराज के गुरु सतगुरु देव श्री हंस जी महाराज का पवन जन्मोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया जिसमें रायबरेली आश्रम के प्रभारी महात्मा अर्वातिका बाई जी ने अपने प्रवचन में बताई कि योगीराज श्री हंस जी महाराज का उपदेश था कि मनुष्य अपने अंदर झांके क्योंकि सत्य बाहर नहीं अंदर है भाई जी के मधुर भजन से सभी प्रेमी भक्तगण झूम उठे गाजीपुर आश्रम की प्रभारी महात्मा दयावती बाई जी ने अपने सत्संग विचार में बताई कि बिना आध्यात्मिक ज्ञान के मनुष्य अपने जीवन में समुचित विकास नहीं कर सकता है पूर्वांचल प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ संतोष यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मानव के जीवन की सच्चाई को उकेरते हुए कहा कि समाज के उत्थान के लिए सेवा सर्वोपरि है सेवा ही सच्ची उपासना है जहां सेवा है वहीं ईश्वर का वास है कार्यक्रम के बाद भंडारे व प्रसाद का भी लोगों ने लाभ उठाया कार्यक्रम में पूर्वांचल के सह सचिव किशोर यादव जिला प्रधान उमेश सिंह सचिव विपिन बिहारी लेखाकार डॉक्टर शंभू नाथ जिला शासकीय अधिवक्ता कृपा शंकर राय मानव सेवा दल के अमरनाथ राजभर मंजू देवी कुसुम लता फूलमती गीता राम अवध गजाधर हंस अशोक लक्ष्मन सिंह चौहान और अन्य प्रेमी उपस्थित रहे।

मां के साथ जेल पहुंचा 6 माह का मासूम! 7 लीटर महुआ शराब के मामले में महिला गिरफ्तार, मासूम की बेबसी ने झकझोरा

जांजगीर-चांपा के सोनादाह में आबकारी विभाग की कार्रवाई, महिला के साथ गोद में मौजूद नन्हा बच्चा भी जेल पहुंचा; कानून की कार्रवाई के बीच मासूम के भविष्य और देखभाल पर उठे संवेदनशील सवाल



जांजगीर-चांपा। मां की गोद किसी भी बच्चे के लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह होती है। छह महीने का मासूम अभी ठीक से दुनिया को पहचानना भी नहीं सीख पाया है। उसे न कानून का मतलब मालूम है और न अपराध की परिभाषा। उसकी दुनिया तो बस मां की गोद, उसकी आवाज और उसका स्नेह है। लेकिन जांजगीर-चांपा जिले में आबकारी विभाग की एक कार्रवाई के बाद यह नन्हा बच्चा ऐसी परिस्थिति में पहुंच गया, जिसकी कल्पना भी किसी संवेदनशील इंसान को विचलित कर सकती है। महुआ शराब के मामले में गिरफ्तार हुई मां के साथ छह माह का मासूम भी जेल पहुंच गया।

महज 7 लीटर महुआ शराब, महिला गिरफ्तार–आबकारी विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 18 नवंबर 2026 को आबकारी वृत्त चांपा की टीम ने सोनादाह, थाना बिर्रा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सीता देवी सितारे, पति दिनेश कुमार, उम्र 36 वर्ष को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान महिला के पास से कुल 7 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। इस मामले में आबकारी विभाग ने छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं 59(क) के तहत एक प्रकरण कायम किया है। मामले की विवेचना आबकारी उपनिरीक्षक मनीष कुमार साहू, वृत्त चांपा द्वारा की जा रही है।

मां के साथ जेल पहुंचा छह महीने का मासूम–इस कार्रवाई का सबसे भावुक कर देने वाला पहलू महिला की गोद में मौजूद छह माह का बच्चा है। इतनी कम उम्र में बच्चे को मां की देखभाल, दूध और स्नेह की सबसे अधिक जरूरत होती है। वह अपनी जरूरतों के लिए पूरी तरह मां पर निर्भर रहता है। महिला की गिरफ्तारी के बाद मासूम भी मां के साथ जेल पहुंचा। उसके लिए यह समझ पाना संभव नहीं कि अचानक उसका परिचित घर और आसपास का वातावरण क्यों बदल गया। उसे न गिरफ्तारी का अर्थ पता है और न जेल की चारदीवारी का। वह तो बस अपनी मां की गोद में सुरक्षित रहना चाहता है।

कानून का पालन जरूरी, लेकिन मासूम की देखभाल भी उतनी ही अहम–अवैध शराब के कारोबार पर कार्रवाई करना कानून और व्यवस्था का हिस्सा है। यदि कोई व्यक्ति कानून का उल्लंघन करता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में एक ऐसा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता–छह महीने के उस बच्चे का हित, जिसका इस मामले में कोई दोष नहीं है। ऐसे मामलों में यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि मां के साथ मौजूद शिशु को उचित देखभाल, पोषण, स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षित वातावरण मिले। संबंधित अधिकारियों और बाल संरक्षण तंत्र की संवेदनशील भूमिका यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। सवाल कार्रवाई का नहीं, मासूम के बचपन का भी है।



सरपंच सुनीता रमेश के अथक प्रयासों से कोटेतरा के 53 गरीब परिवारों को मिली प्रधानमंत्री आवास की सौगात

जैजैपुर : ग्राम पंचायत कोटेतरा के गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। ग्राम सरपंच श्रीमती सुनीता रमेश के लगातार और अथक प्रयासों के फलस्वरूप, पंचायत के 53 पात्र हितग्राहियों को 'प्रधानमंत्री आवास योजना' (ग्रामीण) के तहत पक्के मकानों की स्वीकृति मिल गई है। लंबे समय से कच्चे और जर्जर मकानों में जीवन यापन कर रहे ग्रामीणों के लिए यह स्वीकृति किसी बड़ी राहत से कम नहीं है। सरपंच सुनीता रमेश द्वारा जनपद पंचायत जैजैपुर और जिला स्तर पर लगातार पत्राचार एवं अधिकारियों से संपर्क कर पात्र हितग्राहियों की सूची को स्वीकृत कराने में अहम भूमिका निभाई गई।

संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में छात्राओं ने निभाई पक्ष-विपक्ष की भूमिका

युवा संसद में कबीरधाम प्रथम, खैरागढ़ द्वितीय और बेमेतरा तृतीय स्थान पर



दुर्ग/ कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर भिलाई में आयोजित संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में कमिश्नर श्री सत्यनारायण राठौर शामिल हुए। प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग के सात जिलों के स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रत्येक जिले से 55 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमिश्नर श्री सत्यनारायण राठौर ने कहा कि युवा संसद प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर प्रदान करती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक और देश से जुड़े विषयों की जानकारी भी रखनी चाहिए। ऐसे आयोजन बच्चों को जागरूक बनाते हैं और भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कबीरधाम, द्वितीय स्थान खैरागढ़ तथा तृतीय स्थान बेमेतरा जिले के प्रतिभागियों ने प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागियों को एक-एक हज़ार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए कबीरधाम के लोकसभा अध्यक्ष एवं प्रधान मंत्री तथा खैरागढ़ के नेता प्रतिपक्ष एवं गृह मंत्री, बेमेतरा के वित्त मंत्री एवं राजनांदगाव के मार्शल के लिए प्रोत्साहन राशि रूपये 21-21 सौ रुपए प्रदान किये गए।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त उपायुक्त श्री बीके वर्मा भी उपस्थित थे। कमिश्नर श्री सत्यनारायण राठौर ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया तथा सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

बीआईटी दुर्ग में भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस आयोजित, मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने मातृभाषा में विज्ञान शिक्षा पर दिया जोर

पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से बनेगा विकसित भारत



दुर्ग/ स्थानीय भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) कॉलेज में आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, सभ्यता, लोकपरंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के महत्व पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान श्री यादव ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के विषय पर आयोजित विशेष परिचर्चा में भी सहभागिता की। कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि अपनी मातृभाषाओं में विज्ञान एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने से ज्ञान-विज्ञान की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक सोच का समन्वय ही एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण का मुख्य आधार बनेगा। इस गरिमामय आयोजन में अकादमी की ओर से प्रोफे. जी. डी. शर्मा, प्रोफे. राणा प्रताप सिंह, प्रोफे. एन. पी. चौबे, वरिष्ठ शिक्षाविद श्री आई. पी. मिश्रा, बीआईटी प्राचार्य डॉ. अनूप मिश्रा, कुलपति डॉ. एन. सी. गौतम, डॉ. स्मिता सेलोट तथा दुर्ग निगम सभापति श्री श्याम शर्मा सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

चार दिन पहले खबर के बाद कलेक्टर जनमेजय महोबे ने खुद आबकारी अधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की

कलेक्टर के आश्वासन के बाद भी जंगलों में महुआ शराब का कारोबार बेखौफ! आखिर कहां अटकी कार्रवाई?

एसपी से चर्चा का भी दिया था हवाला; तत्काल कार्रवाई का भरोसा भी मिला, लेकिन अब तक नतीजा सामने क्यों नहीं आया?



जांजगीर-चांपा। जिले के जंगलों में कथित तौर पर घड़ल्ले से चल रहे अवैध महुआ शराब के कारोबार पर आखिर प्रशासन का शिकंजा कब कसेगा? चार दिन पहले जब देवरी, खोरसी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में कच्ची महुआ शराब बनाने और गांवों तक इसकी सप्लाई होने का मामला सामने आया, तब उम्मीद जगी थी कि जिला प्रशासन तत्काल हरकत में आएगा। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने खुद आबकारी अधिकारी से मोबाइल के जरिए संपर्क करने की कोशिश की। उन्होंने संबंधित इलाकों में तत्काल कार्रवाई कराने और महुआ शराब के कारोबार पर नकेल कसने का भरोसा भी दिलाया था। यहां तक कि पुलिस अधीक्षक विजय पाण्डेय से चर्चा किए जाने का भी हवाला दिया गया। लेकिन अब सवाल यह है कि कलेक्टर के इस आश्वासन के बाद जमीन पर क्या बदला? मीडिया में खबर आने के बाद भी देवरी और खोरसी के जंगलों में कथित अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ किसी बड़ी कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है। आखिर कलेक्टर के निर्देशों का पालन हुआ या नहीं? यदि कार्रवाई हुई है तो उसका ब्यौरा सामने क्यों नहीं आया? और यदि कार्रवाई नहीं हुई, तो जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब कौन मांगेगा? कलेक्टर ने दिखाई थी तत्परता, फिर कार्रवाई का हिसाब कहां? मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आबकारी अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया था। उन्होंने संबंधित स्थानों पर तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिया था। प्रशासनिक स्तर पर पुलिस अधीक्षक से चर्चा की बात भी सामने आई थी। ऐसे में जिले के लोगों को उम्मीद थी कि अगले ही दिन आबकारी और पुलिस की टीम जंगलों में दबिश देगी और अवैध शराब के ठिकानों पर कार्रवाई करेगी। लेकिन अब तक सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी बड़ी कार्रवाई का विवरण सामने नहीं आया है। क्या कलेक्टर ने आबकारी विभाग से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी? क्या संबंधित अधिकारियों ने उन्हें कार्रवाई की जानकारी दी? क्या जंगलों में संचालित कथित भट्टियों की पहचान हुई? इन सवालों पर प्रशासन की ओर से स्पष्ट जवाब सामने आना जरूरी है। जंगलों में कथित भट्टियां, गांवों तक पहुंच रही महुआ शराबदेवरी, खोरसी और आसपास के ग्रामीण इलाकों से लगातार ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि सुनसान जंगलों में कच्ची महुआ शराब तैयार की जा रही है और फिर इसे आसपास के गांवों में पहुंचाया जा रहा है। गांवों की गलियों और नुक्कड़ों तक शराब की उपलब्धता की शिकायतें इस कारोबार के व्यापक होने की आशंका पैदा करती हैं। यदि इन शिकायतों की पुष्टि होती है, तो यह केवल आबकारी कानून के उल्लंघन का मामला नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण समाज और जनस्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चुनौती भी बनेगा। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह केवल आश्वासन तक सीमित न रहे, बल्कि ठोस कार्रवाई का विवरण भी जनता के सामने रखे।कलेक्टर के जिले में पुलिस सक्रिय, आबकारी विभाग पर सवालइस मामले में शिवरीनारायण पुलिस की ओर से अवैध शराब के खिलाफकार्रवाई की खबरें सामने आती रही हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब पुलिस अपने स्तर पर कार्रवाई कर रही है, तो आबकारी विभाग की टीम की सक्रियता और परिणामों की जानकारी क्यों नहीं दिख रही? नवागढ़, शिवरीनारायण और पामगढ़ बीट में नए आबकारी इंस्पेक्टरों की तैनाती के बाद अवैध महुआ शराब के कारोबार को लेकर शिकायतें बढ़ने का दावा भी स्थानीय स्तर पर किया जा रहा है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि के लिए विभागीय आंकड़ों और कार्रवाई के रिकॉर्ड की जरूरत है। विभाग को बीटवार कार्रवाई, जब्ती और दर्ज प्रकरणों का विवरण सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

अग्रणी बैंक प्रबंधक ने ली पीएम स्वनिधि योजना के लंबित आवेदनों के प्रगति की समीक्षा



दुर्ग/ कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार अग्रणी बैंक कार्यालय दुर्ग द्वारा नगर निगम दुर्ग, भिलाई, रिसाली एवं भिलाई-चरोदा क्षेत्रांतर्गत पीएम स्वनिधि योजना के तहत बैंक शाखाओं में लंबित आवेदनों के निराकरण हेतु समीक्षा बैठक ली गई।बैठक में नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुश्री लीना कोसम, नगर निगम भिलाई आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह एवं अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजय गर्ग सहित बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधक बैठक में उपस्थित थे। बैठक के दौरान सभी संबंधित बैंक शाखाओं के लंबित आवेदनों की जानकारी प्रस्तुत करते हुए शाखावार समीक्षा की गई तथा संबंधित शाखा प्रबंधकों से आवेदनों के लंबित रहने के कारणों पर जवाब मांगा गया। इस दौरान बैंक शाखाओं एवं निगम अधिकारियों ने अपनी-अपनी समस्याओं एवं व्यावहारिक कठिनाइयों से अवगत कराया।

कस्तूरबा विद्यालय में डिजिटल शिक्षा पर जोर

गाजीपुर। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में जनपद गाजीपुर के समस्त परिषदीय विद्यालयों में तकनीकी आधारित शिक्षा (ष्ठद्बद्यद्बह्लद्बद्य श्रस्रह्लष्ड्डह्लद्बश्ठ्ठ) को प्रभावी बनाने हेतु कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जनपद के जिन उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब एवं डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की गई हैं तथा समस्त परिषदीय विद्यालयों को उपलब्ध कराए गए 2 टैबलेट का नियमित एवं सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जनपद के पीएम श्री विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के लिए विशेष रूप से आदेशित किया गया है कि वहां उपलब्ध समस्त उच्च-स्तरीय डिजिटल संसाधनों का शत-प्रतिशत एवं आदर्श उपयोग सुनिश्चित किया जाए। जनपद के सभी पीएम श्री विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की वार्डेन व प्रधानाध्यापकों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि वे स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी एवं टैबलेट का नियमित संचालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें तथा इन्हें अन्य विद्यालयों के लिए एक मॉडल (आदर्श) के रूप में प्रस्तुत करें। जिन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास एवं आईसीटी लैब स्थापित हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com